

पीएम मोदी और सीएम विजय ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 की पहली ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने रविवार को चेन्नई में मेट्रो रेल के दूसरे चरण के नेटवर्क की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पोरुर बाईपास रोड मेट्रो स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं ने मेट्रो की सुविधाओं का जायजा लिया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री विजय के साथ पोरुर से पुनामल्ली तक मेट्रो में सफर किया और ट्रेन में छात्रों व कर्मचारियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री के इस दौरे में तमिलनाडु को सड़क, रेलवे और समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कई विकास परियोजनाओं की सीगात भी मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चेन्नई पहुंचे, जहां राज्यपाल राजेंद्र आलेंकर और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ

विजय ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मंत्री, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी, भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन और अन्य नेता भी मौजूद रहे। तमिलनाडु में विजय सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री का यह पहला चेन्नई दौरा है। चेन्नई एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री विजय पोरुर बाईपास रोड मेट्रो स्टेशन पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने मेट्रो की सुविधाओं का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से नए नेटवर्क, ट्रेनों के संचालन और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने फेज-2 नेटवर्क की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। मेट्रो की उद्घाटन यात्रा से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यूनिफाइड पैमेंट्स



इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए भुगतान कर टिकट खरीदा। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री विजय के साथ पोरुर बाईपास रोड स्टेशन से पुनामल्ली तक मेट्रो में सफर किया।

यात्रा के दौरान अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को मेट्रो प्रणाली के संचालन और नई सेवा से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। मेट्रो यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने छात्रों

और कर्मचारियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने नई परिवहन सेवा और मेट्रो नेटवर्क से जुड़ी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण का विस्तार शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने और यात्रियों की आवाजाही को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चेन्नई दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने करीब 3,700 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें पूरी हो चुकी परियोजनाओं को जनता को समर्पित करने के साथ नए सड़क निर्माण कार्यों की शुरुआत भी शामिल है। इन परियोजनाओं से सड़क संपर्क बेहतर बनाने और परिवहन व्यवस्था को मजबूती देने पर

जोर दिया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने करीब 750 करोड़ रुपये की रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। इसके अलावा चेन्नई पोर्ट पर चार इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य समुद्री सुविधाओं को मजबूत करना और बंदरगाह की कामों हैडलिंग क्षमता बढ़ाना है। इससे माल परिवहन और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए चेन्नई में प्रमुख मार्गों, मेट्रो स्टेशन और कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। मेट्रो सेवा की शुरुआत के साथ सड़क, रेलवे और बंदरगाह से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन प्रधानमंत्री के तमिलनाडु दौरे का प्रमुख हिस्सा रहा।

अनुराग ठाकुर बोले-कानून से ऊपर कोई नहीं, चुनाव हारने पर संवैधानिक संस्थाओं को दोषी ठहराता है विपक्ष



नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए निर्धारित नियमों और कानूनों का पालन करना जरूरी है। सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि उन्होंने युवा मोर्चा से लेकर भाजपा तक कई विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। ऐसे प्रदर्शनों के लिए अनुमति लेनी होती है और इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या की जानकारी भी देनी पड़ती है। कोई भी व्यक्ति या संगठन कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने और चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कुछ लोग यह सोचते हैं कि उन्हें किसी को जानकारी देने की जरूरत नहीं है और वे संस्थाओं, नियमों तथा कानून से ऊपर हैं, तो देश इस तरह नहीं चल सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को मिलेगी। अंत में उन्होंने सभी से महाराजा अग्रसेन जी के बताए मार्ग पर चलते हुए एक समृद्ध और सुरक्षित पंजाब के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

स्वर्ण पदक विजेता अमन सहरावत युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पहलवान अमन सहरावत ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी पहचान बनाने वाले अमन सहरावत मिलेगी। केबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार रविवार को झज्जर जिला के गांव बिरोहड़ में अंतरराष्ट्रीय पहलवान अमन सहरावत के सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अमन सहरावत को गदा भेंट कर सम्मानित किया और उनकी खेल उपलब्धियों की सराहना की। समारोह में बाढ़डा के विधायक उमैद सिंह पातूवास और पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ भी विशेष रूप से मौजूद रहे। केबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा वीरों और खिलाड़ियों की धरती है। देश की सीमाओं पर जहां प्रदेश के जवान राष्ट्र की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रहे हैं, वहीं खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में हरियाणा के 41 खिलाड़ियों ने पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। अमन सहरावत जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी उपलब्धियों से यह साबित करते हैं कि दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बाद पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता से न केवल गांव बिरोहड़, बल्कि जिला झज्जर और पूरे हरियाणा का गौरव बढ़ा है।

नवरात्रों के दौरान कुट्टू के आटे की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण करें आरती सिंह राव

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, हरियाणा को निर्देश दिए हैं कि नवरात्रों के दौरान कुट्टू के आटे एवं व्रत के दौरान प्रयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण करें, सैपल लें और गड़बड़ी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। स्वास्थ्य मंत्री ने आमजन से भी अपील की है कि वे खाद्य सुरक्षा संबंधी साधनानियों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध खाद्य पदार्थ की बिक्री एवं सेवन से बचें। आरती सिंह राव के निर्देशों का पालन करने की दिशा में कदम उठाते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, हरियाणा के आयुक्त अं मनोज कुमार ने फील्ड के अधिकारियों को कुट्टू के आटे एवं व्रत के दौरान प्रयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों पर पैनी नजर रखने को कहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, हरियाणा ने नवरात्रों और व्रत के सीजन के दौरान कुट्टू के आटे की बढ़ती मांग को देखते हुए आमजन और खाद्य कारोबारियों के लिए एक



विशेष एक्वाइजरी जारी की है। विभाग ने चेतावनी दी है कि कुट्टू के आटे के सुरक्षित भंडारण, गुणवत्ता और साफ-सफाई में लापरवाही बरतने पर यह असुरक्षित हो सकता है और इसके सेवन से फूड पॉइजनिंग या खाद्य विषाक्तता जैसी गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। पुराना, नमीयुक्त, फफूंद लगा हुआ या दूषित आटा खाने से उल्टी, दस्त, पेट दर्द, मितली और बुखार जैसी परेशानियां हो सकती हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एसस्कुए) के निर्धारित मानकों के अनुसार, मोटे अनाजों की श्रेणी में आने वाले कुट्टू में नमी की अधिकतम मात्रा 13.0 प्रतिशत होनी चाहिए। इसके अलावा, बाहरी आविष्टित पदार्थ द्रव्यमान के आधार पर अधिकतम 1.0 प्रतिशत (जिसमें खनिज पदार्थ अधिकतम 0.25

प्रतिशत और बाह्यी मूल की अशुद्धियां अधिकतम 0.10 प्रतिशत शामिल हैं) तथा अन्य खाद्य अनाज अधिकतम 2.0 प्रतिशत तक ही मान्य हैं। विभाग ने खाद्य कारोबारियों और दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि वे केवल वैध भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण लाइसेंस या पंजीकरण वाले विश्वसनीय विक्रेताओं से ही कुट्टू का आटा खरीदें। खरीद के समय पैकिंग तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि, बैच नंबर और पैकेट की स्थिति की जांच अवश्य की जानी चाहिए। आटे को हमेशा साफ, सूखे, हवादार और नमी रहित स्थान पर कीटों और रसायनों से दूर रखना चाहिए। पुराने, बारी, बदबूदार या फफूंदयुक्त आटे की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है। आम जनता के लिए जारी विशेष अपील में कहा गया है कि हमेशा विश्वसनीय दुकानों से सीलबंद पैकेट को प्राथमिकता दें और पैकेट पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण लाइसेंस नंबर व अन्य विवरण जांच लें। आटे में किसी भी तरह की असामान्य गंध, रंग में बदलाव, गांठ या कीड़े दिखने पर उसका उपयोग बिल्कुल न करें।

विदेशी ताकतों के इशारों पर देश की शांति भंग कर रहे हैं विरोधी, लोगों ने इन्हें हर जगह रिजेक्ट किया अनिल विज



चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने उत्तर प्रदेश केबिनेट द्वारा नोएडा एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट करने के प्रस्ताव को मंजूरी के बाद सपा नेता अखिलेश यादव के विरोध जताने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस प्रधानमंत्री ने इस देश को इतना मान-सम्मान दिया है, सारे विश्व में आज भारत का नाम है। विज ने कहा कि पहले भारत को दबू देश बनना जाता था, लेकिन अब अगर कोई देश कोई दुस्साहस करता है तो उसके घर में घुसकर उसे मारा जाता है। आज हर क्षेत्र में तरकी हुई है और हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। भारत को 2047 तक विकसित करने का किसी प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है तो क्या उनके नाम से कोई एयरपोर्ट का नाम भी नहीं रखा जा सकता, जरूर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानक प्राधिकरण लाइसेंस नंबर व अन्य विवरण जांच लें। आटे में किसी भी तरह की असामान्य गंध, रंग में बदलाव, गांठ या कीड़े दिखने पर उसका उपयोग बिल्कुल न करें।



भी इसमें शामिल होने के प्रश्न पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि वे विदेशी ताकतों के इशारों में खेल रहे हैं, देश की शांति को भंग करना चाहते हैं। कानून को ये मानते नहीं, संविधान को नहीं मानते और नॉन इश्यू को इश्यू बनाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नियम तय कर रखे हैं कि अगर आपने जंतर-मंतर पर कोई प्रदर्शन करना हो तो यह उसको भी नहीं मानते। विरोध जताने का सभी को अधिकार है, मगर नियमों का पालन करना जरूरी है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि लोगों ने इनको हर जगह-जगह नरेंद्र मोदी के नाम रखने चाहिए ताकि उनके व्यक्तित्व से आम लोग भी प्रेरणा लें। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने दिल्ली में कॉरोना जन्ता पार्टी के प्रदर्शन व विपक्ष द्वारा

भूना में बाईपास निर्माण और फतेहाबाद की बंद रेल सेवाएं बहाल की जाएं-कुमारी सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य कुमारी सैलजा ने अपने सदसदीय क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने 4 अक्टूबर को लिखे पत्रों में भूना शहर में बाईपास निर्माण और फतेहाबाद जिले के पिरथला, ललोदा सहित आसपास के गांवों की बंद रेल सेवाएं बहाल करने का मुद्दा उठाया। कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि भूना महत्वपूर्ण व्यापारिक एवं आवागमन केंद्र है, जो एसएच-2 और एनएच-52 सहित प्रमुख मार्गों से जुड़ा है। भारी एवं वाणिज्यिक वाहनों के शहर के बीच से गुजरने के कारण मुख्य बाजार में यातायात जाम, दुर्घटनाओं और प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। इससे व्यापारियों और आम नागरिकों को परेशानी होती है। सांसद ने बाईपास निर्माण को प्राथमिकता देते



हुए संबंधित विभाग से व्यवहार्यता परीक्षण, आवश्यक सर्वेक्षण और प्रारंभिक कार्रवाई शीघ्र शुरू करवाने की मांग की। केंद्रीय रेल मंत्री को लिखे पत्र में कुमारी सैलजा ने पिरथला, ललोदा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की रेल सुविधाओं का मुद्दा उठाया। सांसद ने बताया कि इस संबंध में 31 जुलाई 2024 को भी पत्र लिखा गया था। सांसद ने ट्रेन संख्या 54635, 54636, 54603 और 54604 जैसी बंद यात्री सेवाएं पुनः शुरू करने, एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 14653 और 14654 के पूर्व निर्धारित ठहराव बहाल करने तथा जमालपुर शेखां स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों और पिरथला व ललोदा स्टेशनों पर आवश्यक यात्री ट्रेनों के ठहराव की मांग की। साथ ही प्लेटफॉर्म पर

शेड लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं से विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों, महिलाओं, बुजुर्गों और दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में पत्रकारों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। सांसद ने आरोप लगाया कि प्रदेश में नशे का कारोबार रोकने में सरकार प्रभावी कदम नहीं उठा पा रही, जबकि इसकी सच्ची सामने लाने वाले पत्रकारों पर कार्रवाई की जा रही है। कुमारी सैलजा ने सवाल किया कि क्या देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के साथ-साथ अब प्रेस की आजादी भी समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है? सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति का अधिकार और संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सरकार की आलोचना करना या जनहित के सवाल उठाना अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

दो दिन में ही यात्रियों के डूब गए 1 करोड़ रुपये, रेलवे ने दिया ट्रेनों को लेकर बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बीच शुरुवार देर रात और शनिवार को कई ट्रेनों रद्द कर दी गई थीं या फिर उनका मार्ग परिवर्तन किया गया था। हालांकि यात्रियों के बड़ी राहत देते हुए उतर रेलवे ने कहा है कि रविवार से सभी ट्रेनें अपने निर्धारित समय से चलेगी। रेलवे ने कहा कि अब यातायात पूरी तरह सामान्य हो चुका है। यह जानकारी उत्तर रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय ने दी। शुरुकार रात से ही कई ट्रेनें रद्द हो गई थीं। जानकारी के मुताबिक दिल्ली, नई दिल्ली और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर आने या फिर रेल से जाने वाली करीब 250 ट्रेनों को रद्द किया गया था। इसके अलावा अचानक इतनी संख्या में ट्रेनें रद्द होने से यात्रियों में अफरा-तफरी और स्टेशन पर भी भीड़ देखने को मिली। रविवार को भी कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रदर्शन का ऐलान किया है। हालांकि ट्रेनों को रोकने या रद्द करने का कोई आदेश नहीं जारी किया है। रेल मंत्रालय के 9-10 अक्टूबर को अचानक मेल-एक्सप्रेस सहित 250 से अधिक ट्रेनें रद्द करने के निर्णय से लाखों यात्रियों को मानसिक व आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। यात्रा नहीं करने के बावजूद जीएसटी और पेमेंट गेटवें बंद होने के रूप में 75 लाख से एक करोड़ रुपये तक डूब गए। जानकारी का कहना है कि रेलवे प्रशासनिक कारणों से भले ही ट्रेनें रद्द होने पर 100 फीसदी मूल किराया वापस कर देता है, लेकिन ऑनलाइन टिकट बुकिंग के दौरान वसुले गए थर्ड-पार्टी चार्ज और करों का नुकसान पूरी तरह यात्रियों को उठाना पड़ता है। आईआरसीटीसी से टिकट बुक करने समय नॉन एसी और एसी टिकटों पर क्रमशः 15 से 40 रुपये तक सेवा शुल्क (कन्सीयेंस फीस) और पेमेंट गेटवे शुल्क वसूला जाता है। इन पर 18 फीसदी जीएसटी भी लगता है, जो पूरी तरह गैर-वापसी योग्य (नॉन-रिफंडेबल) है। विशेषज्ञों के मुताबिक, विभिन्न ट्रेन के रद्द होने से ढाई से तीन लाख यात्री प्रभावित हुए हैं।

भारतीय रेलवे ने 3,548 स्नातक-स्तरीय एनटीपीसी रक्तियों की घोषणा की, इससे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए नए कैरियर के अवसर खुलेंगे

उमेश तिवारी

गोरखपुर। भारतीय रेलवे ने रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा जारी केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या 06/2026 के माध्यम से गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (एनटीपीसी-स्नातक) की भर्ती के तहत स्नातक स्तर के 3,548 पदों की घोषणा की है। इस भर्ती योग्य स्नातकों को भारतीय रेलवे में करियर बनाने और देश के सबसे बड़े सार्वजनिक सेवा संगठनों में से एक के कामकाज में योगदान देने का अवसर प्रदान करती है। इस भर्ती में चार श्रेणियों के पद शामिल हैं, जिनमें मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक, मालगाड़ी प्रबंधक, कनिष्ठ लेखा सहायक सह टाइपिस्ट और वरिष्ठ टिकट पर्यवेक्षक के लिए हैं। ये पदों पर प्रारंभिक मूल वेतन सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अंतर्गत दिया जाएगा। मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक का प्रारंभिक मूल वेतन वेतन स्तर 6 पर 35,400 रुपये प्रति माह है, जबकि अन्य तीन श्रेणियों का



सहयोग करते हैं। कुल 3,548 रक्तियों में से 2,750 पद मालगाड़ी प्रबंधक के लिए, 371 पद वरिष्ठ क्लर्क सह टाइपिस्ट के लिए, 300 पद कनिष्ठ लेखा सहायक सह टाइपिस्ट के लिए और 127 पद मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक के लिए हैं। ये रक्तियां स्नातकों को रेलवे संचालन और प्रशासन के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में काम करने के अवसर प्रदान करती हैं। इन पदों पर प्रारंभिक मूल वेतन सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अंतर्गत दिया जाएगा। मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक का प्रारंभिक मूल वेतन वेतन स्तर 6 पर 35,400 रुपये प्रति माह है, जबकि अन्य तीन श्रेणियों का

प्रारंभिक मूल वेतन वेतन स्तर 5 पर 29,200 रुपये प्रति माह है। लागू भत्ते और सेवा शर्तें संबंधित नियमों के अनुसार होंगी। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अक्टूबर 2026 से शुरू हो गई है और योग्य उम्मीदवार 6 नवंबर 2026, रात 11:59 बजे तक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 8 नवंबर 2026 है, जबकि आवेदन में संशोधन की अवधि 9 नवंबर से 18 नवंबर 2026 तक निर्धारित है। उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए और उन्हें पद-विशिष्ट निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा। अधिसूचित आयु सीमा 1 जनवरी 2027 को 18-33 वर्ष है, जिसमें निर्धारित नियमों के तहत पात्र श्रेणियों के लिए आयु में छूट दी जाएगी। योग्य स्नातकों को सलाह दी जाती है कि वे विस्तृत अधिसूचना में समीक्षा करें, अपनी पसंद के पदों के

लिए आवश्यक शर्तों की पुष्टि करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। योग्यता के आधार पर चयन प्रक्रिया, जिसमें पात्र उम्मीदवारों के लिए प्रावधान शामिल हैं। चयन प्रक्रिया में प्रथम चरण में कंप्यूटर आधारित परीक्षा द्वितीय चरण में CBT, और आवश्यकतानुसार दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सा परीक्षा शामिल है। चयन योग्यता वाहनों के निर्धारित पात्रता शर्तों के पूरी होने के आधार पर होगा। भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पात्र विद्यार्थ उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण और आयु में छूट के लाभों के साथ-साथ लेखक सहायता और क्षतिपूर्ति सम्य का प्रावधान भी है। CEN क्रमांक 06/2026 के अंतर्गत एक अन्य प्रावधान जुनियर लेखा सहायक सह टाइपिस्ट और वरिष्ठ क्लर्क सह टाइपिस्ट के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित टाइपिंग कौशल परीक्षा से छूट प्रदान करना है।

‘मैं गांव जा रहा हूं’, अभिजीत दीपके बोले-तानाशाही के अंत की शुरुआत हो गई

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की हिरासत से छूटने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके अपने गांव के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने कहा कि 2 बजे की प्रेस कॉन्फेंस सौरव दास और आशुतोष रांका करेंगे। दरअसल शनिवार को अभिजीत दीपके की दादी का निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार भी अभी नहीं किया गया है। ऐसे में अंतिम दर्शन के लिए वह महाराष्ट्र के हिंगोली स्थित अपने गांव जा रहे हैं। शनिवार सुबह ही अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका मुंबई से एयर इंडिया की फ्लाइट लेकर दिल्ली पहुंचे थे। दिल्ली पुलिस पलाइस में ही उन्हें हिरासत में लेने पहुंच गई। तीनों को हिरासत में लिए जाने के बाद अलग-अलग जगह रखा गया। रविवार को तीनों को दिल्ली के प्रसिद्ध थाने में एक्विज्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। यहां 50 हजार के निजी मुचलके पर तीनों को रिहा कर दिया गया है। गांव जाने की जानकारी देते हुए अभिजीत दीपके ने कहा कि अब तानाशाही के अंत की शुरुआत हो चुकी है और 10 अक्टूबर का दिन याद रखा जाएगा। सीजेपी ने एक बयान में कहा, दिल्ली पुलिस द्वारा करीब 24 घंटे तक गैरकानूनी तरीके से एहतियातन हिरासत में रखे जाने के बाद दिल्ली की कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत ने कॉकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को रिहा कर दिया। कॉकरोच पार्टी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के मद्देनजर राजधानी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच की गई मनमानी हिरासतों की तीखी आलोचना हो रही है और उन्हें कानूनी चुनौती भी दी जा रही है। सीजेपी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, आश्चर्यकार दिल्ली पुलिस को अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को रिहा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। कॉकरोच कभी नहीं मरते।

संपादकीय

(उमेश कुमार तिवारी)

जब अपनी बनाई कंपनी छिन गई

हम कारों की दुनिया में किसी करिश्मे से कम नहीं थे। उनका एक ही मकसद था-बड़ी, शक्तिशाली और विश्वसनीय कार बनाना। बेहद साधारण परिवार से आए असाधारण मैकेनिकल इंजीनियर ने 30 की उम्र में एक कार कंपनी की नींव रखी। लज्दी ही जर्मनी में लोग उन्हें ऑगस्ट हॉर्च नाम से पहचानते लगे। साल 1901 में हॉर्च की पहली कार बाजार में आई और चल निकली। दिन दूनी-रात चौगुनी तरक्की करती चली गई। कंपनी के पास जैसे-जैसे धन बढ़ा, वैसे-वैसे उसके अन्य निदेशक भी मजबूत होते चले गए, जबकि खुद ऑगस्ट हॉर्च सहज हृदय से केवल काम में लगे रहे। कार डिजाइन करना, उसे गढ़ना और फिर बिक्री बढ़ाने की कोशिश करना, दिन-रात यही सब वह करते रहते थे। दुनिया गवाह है, जब कंपनी बड़ी हो जाती है, तब कोई एक शख्स नहीं, कई लोग मिलकर उसे चलाने लगते हैं। हॉर्च कंपनी में भी निदेशक मनमानी करने लगे। खुद हॉर्च के फैसलों को पलटने लगे। संघर्ष तेज हुआ तो निदेशकों ने गिरोह बना लिया और हॉर्च को ही कंपनी से निकाल बाहर किया। तब के उद्योग जगत में यह गजब की त्रासद घटना हुई। जिसकी कंपनी थी, जिसके नाम से कंपनी और ब्रांड था, उसे ही ठीक वैसे निकाल दिया गया, जैसे दूध में पौड़ी मक्खी को निकाल फेंका जाता है। उद्योग-धंधे में धोखे की शिकायत जिंदगी नैतिकता मोड़ पर जा खड़ी हुई या कहिए, गहरे भंवर में जा फंसी। उद्यमी-इंजीनियर ऑगस्ट हॉर्च पर निराशा का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन बाजार और उनकी लोकप्रियता ने उन्हें फिर बल दिया। उन्होंने हॉर्च नाम से ही दूसरी कंपनी की नींव रखी, लेकिन पुरानी हॉर्च कंपनी वाले अदालत पहुंच गए। अदालत ने भी फरमान सुना दिया कि हॉर्च नाम या ब्रांड पर अब ऑगस्ट हॉर्च का कोई हक नहीं है और हॉर्च कंपनी को चला रहे निदेशक ही हॉर्च ब्रांड के मालिक हैं। फिर पहाड़ टूटा, आगे राह का ठिकाना न रहा। हाताश ने तवाह किया कि जब अपना नाम छिन गया, तो बचा क्या? 40 की उम्र में पूरे 20 साल की हाड़-तोड़ मेहनत से जो नाम कमाया, वह देखते-बचाते भी लुट गया। किसी उद्यमी के लिए धंधा करना भले आसान हो, पर धंधे को बचाने के लिए कई बार धूर्तता जरूरी हो जाती है। ऑगस्ट हॉर्च में यह धूर्तता नहीं थी, तभी तो कंपनी और नाम, दोनों हाथ से निकल गए। एक शाम बेहद निराश हॉर्च अपने पुराने दोस्त साझीदारों के पास पहुंचे। एजेंडा यही था कि क्या किया जाए? हॉर्च नाम बुलंदी हासिल कर चुका था, अब कहाँ से आएगा, उसके मुकाबले का नाम? तभी हॉर्च की नजर एक साझीदार के किशोर बेटे पर पड़ी, वह कमरे के एक कोने में बैठा पढ़ रहा था। हॉर्च ने किशोर से पूछा, 'बेटा, क्या पढ़ रहे हो?' जवाब मिला, 'अंकल, मैं लैटिन होमवर्क कर रहा हूं।' हॉर्च की खासियत थी, वह कुछ भी नया सुनते, तो जिज्ञासा से भर जाते थे। वह किशोर से सवाल-जवाब करने लगे। किशोर से पूछ लिया, 'अच्छा यह बताओ, मेरा नाम हॉर्च है, इस शब्द का लैटिन में क्या अर्थ है?' किशोर ने भी कुछ देख-शेककर जवाब दिया, 'अंकल, जर्मन शब्द 'हॉर्च' का अर्थ अंग्रेजी में 'लिसन' हो जाता है और लैटिन में 'ऑडी'। लैटिन शब्द ऑडी का आज्ञावाचक रूप ऑडी है।' ऑडी शब्द कानों में बड़ा मीठा लग रहा था। हॉर्च इस शब्द का उच्चारण बार-बार करने लगे। जर्मन हॉर्च और लैटिन ऑडी का मतलब हो गया-सुनो। हॉर्च खुशी से झूम उठे, उन्होंने अपने साझीदारों से कहा, 'हमें अपने ब्रांड का नया नाम मिल गया- ऑडी। यह मेरे नाम का सिर्फ भाषांतरण है। अब यही नाम फाइनल है और इसे कोई अदालत मुझसे छीन नहीं सकती।' कंपनी और ब्रांड को नया नाम मिल गया। साल 1909 में ऑगस्ट हॉर्च ने ऑडी की स्थापना की और एक साल बाद यह नाम पंजीकृत हो गया। पहले से भी कहीं ज्यादा इंजीनियरिंग उत्कृष्टता से हॉर्च ने अपनी नई कार को ऑडी नाम से बाजार में उतार दिया और कार कामयाबी की दौड़ में शुमार हो गई। हॉर्च और ऑडी का नाम पूरे ऑटोमोबाइल उद्योग में चमकने लगा, पर हॉर्च के दिल में हमेशा यह कसक बसती थी कि उनकी अपने नाम वाली कंपनी हॉर्च बेगानी हो गई। अब सुखद संयोग देखिए, आर्थिक महामंदी आई और साल 1932 में जर्मनी की चार कार कंपनियों का विलय किया गया। पुरानी कंपनी हॉर्च के साथ ही डीकेडब्ल्यू और वांडरर का भी ऑडी के साथ विलय हो गया। चार कंपनियों के मिलने से कंपनी का नया लोगो बना- परस्पर जुड़े हुए चार गोल चक्के। ये चार चक्के आज भी ऑडी पर दर्शनीय हैं। जब 12 अक्तूबर को ऑगस्ट हॉर्च (1868-1951) का जन्मदिन मनाया जाता है, तब उनकी और ऑडी की शानदार कहानी को लोग खुशी से याद करते हैं।

नई दिल्ली

संपादकीय

अचूक, अभेद्य और सटीक भारतीय वायु सेना गर्व के साथ सफलता की ऊंचाइयों को छूते हुए

भारतीय वायु सेना (आई. ए. एफ.) आज (8 अक्टूबर, 2026) अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। यह दिन हवाई अड्डों, सुरक्षा, रणनीतिक प्रतिरोध और मानवीय सेवा के लक्ष्मण एक सदी के सफल सफर को दर्शाता है। भारतीय वायु सेना दिवस हर साल 8 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो 1932 में हमारी वायु सेना की आधिकारिक स्थापना की याद दिलाता है। ब्रिटिश शासन के दौरान रॉयल इंडियन एयर फ़ोर्स के रूप में स्थापित, वायु सेना ने 1950 में अपने नाम से रॉयल शब्द हटा दिया। यह दिन उन वायु योद्धाओं (सेवानिवृत्त एवं सेवावर्त) के साहस, पेशेवर रवैये और बलिदान का सम्मान करता है, जो शांति और संघर्ष के समय भारत के हवाई क्षेत्र, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करते हैं। भारतीय वायु सेना दिवस समारोह भव्यता, सटीकता और टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। सालाना एयर डिस्प्ले और फ्लाईआउट में फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर के तालमेल वाले हवाई करतब शामिल होते हैं। एयर-वॉरियर परेड में पुरुष और महिला दोनों तरह के कर्मियों का सटीक तालमेल वाला मार्च होता है, जो अनुशासन और मिलिट्री अंदाज को दिखाता है। फ्लाई-पास्ट कार्यक्रम को आम जनता तक पहुँचाने के लिए हर साल जगहें बदली जाती हैं, जैसे हिंडन एयर फ़ोर्स बेस, चंडीगढ़ और प्रयागराज। इस साल वाराणसी में 22, 23 और 25 अक्टूबर को फ्लाई-पास्ट डिस्प्ले होगा। थीम-बेस्ड कैपेन में प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) और रक्षा मंत्रालय की तरफ से ऑफिशियल

प्रमोशनल रिलीज शामिल हैं, जिनमें डायनामिक वीडियो कटेंट होता है, जैसे 2026 का कैपेन जिसकी थीम है, 'इंडियन एयर फोर्स अचूक, अभेद्य और सटीक। 2022 से लगातार पांचवें साल, भारतीय वायु सेना दुनिया भर में अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर है। यह युद्ध में खुद को साबित कर चुकी और अनुभवी सेना है। साथ ही, यह इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना है जो लगातार युद्ध अभियानों में शामिल रही है। 2019 में बालाकोट, 2020 से 2025 तक लद्दाख एल ए सी गतिरोध और मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी तक हमला करने और हवाई सुरक्षा की क्षमताओं को दिखाया है। ऑपरेशन का अनुभव इसकी एक बड़ी ताकत है। भारतीय वायु सेना 250 से ज्यादा एसयू-30एम के आई एयर-डोमिनैन्स फाइटर जेट्स का संचालन करती है। इन्हें एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकी स्कैन्ड एरोर डाइर और अत्रन मार्क2 मिसाइलों के साथ सुपर सुखोई मानकों के अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। राफेल 4.5-जेनरेशन फाइटर जेट्स, जो एडवांस्ड और स्कैन मिसाइलों और मीटोइड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट से लैस हैं, ऑपरेशन सिंदूर में बहुत असरदार साबित हुए। जल्द ही राफेल का एक नया वैरिएंट आने की उम्मीद है। तेजस मार्क-1, अपग्रेडेड मिग-29बीपीजी, मिराज-2000 और जगुआर फाइटर जेट्स जैसे अन्य प्लेटफॉर्म भी अलग-अलग तरह की ऑपरेशनल क्षमताएं प्रदान करते हैं। लेह (10,700 फीट की ऊंचाई) से लेकर कार निकोबार जैसी जगहों से

काम करने की भारतीय वायु सेना की क्षमता इसे क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना बनाती है जो लगातार ऊंचाई वाले इलाकों में ऑपरेशन करने में सक्षम है। भारतीय वायु सेना एस-400 और आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम के साथ आईसीसीएस और एफएनके का इस्तेमाल करके असरदार इंटीग्रेटेड नेट-सेंट्रिक ऑपरेशन करती है। ये प्लेटफॉर्म एक युनिफाइड नेटवर्क के तौर पर काम करते हैं। एयर वॉरियर्स ने टेक्नोलॉजी-बेस्ड ऑपरेशन के तरीके को सफलतापूर्वक अपना लिया है। भारतीय वायु सेना का ट्रेनिंग का तरीका सबसे अच्छे तरीकों में से एक है और भारतीय वायु सेना के पायलटों ने कई इंटरनेशनल एक्सरसाइज जीती हैं। आत्मनिर्भर भारत पहल और देश में ही मॉडर्नाइजेशन पर ध्यान देने के अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। भारतीय वायु सेना ने 180 तेजस मार्क -1ए एयरक्राफ्ट और ईईई दिया है और आमका (ए एम सी), फिफथ-जेनरेशन फाइटर, कैसटींग ड्रोन और स्वदेशी अस्त्र बी वी आर मिसाइल को मंजूरी दी है। ये कदम बदलाव के दौर में बढ़ावा देते हैं, साथ ही आत्मनिर्भरता को मजबूत करते हैं। दूर करने के लिए लगातार कोशिशों की जरूरी हैं। कई दशकों के इतिहास में भारतीय वायु सेना बाइब्लेन के एक छोटे से बड़े से बड़कर दुनिया की टॉप पाँचों में सबसे ताकतवर एयर फोर्स में से एक बन गई है। इसकी मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं युद्ध के समय बहादुरी बड़े पैमाने, मिलिट्री ऑपरेशन में अहम भूमिका, जिसमें दूसरा विश्व युद्ध, 1948, 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष,

1999 का कारगिल युद्ध शामिल हैं। और 2019 के बालाकोट ऑपरेशन जैसे सटीक क्रॉस-बॉर्डर हमले। सेना का आधुनिकीकरण और स्वदेशी इन्वेंटेशन-पुराने आयातित विमानों से हटकर राफेल और एसयू-30एम के आई जैसे एडवांस्ड मल्टी-रोल फाइटर जेट, तेज जैसे स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान, सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-295 जैसे आधुनिक भारी-भरकम सामान ढोने वाले विमान, और स्वामं ड्रोन व ड्रोनाथॉन। मौनी सी नई तकनीकों को अपनाना। मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचडीए डी आर)- राष्ट्रीय आपातकाल, बाढ़ और भूकंप के दौरान जरूरी बचाव अभियान चलाना, और विदेशों में संघर्षग्रस्त इलाकों में फौसे नागरिकों और मेडिकल स्पलाई को एयरलिफ्ट करना। शानदार क्षमताओं के बावजूद, भारतीय वायु सेना को ऑपरेशन, स्ट्रक्चर और प्लानिंग से जुड़ी अहम चुनौतियाँ सामना करना पड़ रहा है। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की संख्या में काफी कमी आ रही है। हालाँकि 42% फाइटर स्काइन की मंजूरी है, लेकिन अभी संख्या इससे कम है। 2030 के दशक में इनके कम होने की उम्मीद है क्योंकि मिग-21, मिग-29, जगुआर और मिराज-2000 जैसे पुराने बड़े तेजी से रिटायर हो रहे हैं और उनकी जगह नए विमान उतनी तेजी से नहीं आ रहे हैं। यह बढ़ता अंतर भविष्य की तैयारी के लिए सेना के आधुनिकीकरण को बहुत जरूरी बनाता है। एयर चीफ मार्शल एयर मार्शल ए.पी. सिंह ने 3 अक्टूबर 2026 को कहा, हमारी संख्या कम है, लेकिन हम कमजोर नहीं हैं, जो भारतीय वायु

सेना की मौजूदा स्थिति को दर्शाता है। 2021 में आईर किए गए स्वदेशी तेजस मार्क-1ए का एक स्काइडन साल के आखिर तक शामिल कर लिया जाएगा। तेजस मार्क-2 की पहली उड़ान सितंबर 2027 तक होने की संभावना है, जबकि आभवा (ए एम सी ए) की पहली उड़ान सितंबर 2028 तक होने की उम्मीद है। भारतीय वायु सेना उत्तरी सीमा पर लंबे समय से चल रहे और बहुत अहम सैन्य गतिरोध को संभाल रही है, साथ ही परमाणु हथियार वाले पश्चिमी पड़ोसी के खिलाफ रणनीतिक तैयारी भी बनाए हुए है। चीन का सैन्य बुनियादी ढांचे, एयरफील्ड और क्रांति कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्टीथी क्षमताओं जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों का तेजी से आधुनिकीकरण क्षेत्रीय निर्माण क्षमताओं से कहीं आगे निकल रहा है।

इससे बढ़ती फोर्स मल्टीप्लायर (सैन्य क्षमता बढ़ाने वाले साधनों) और लगातार आधुनिकीकरण के जरिए सीमित संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की जरूरत बढ़ जाती है। इन-प्लाइड एरियलर (आई ए-78), एयरबॉर्न वॉरिंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स), लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल बैटरी और मजबूत अनमैड एरियल कॉम्बैट सिस्टम (यु ए एस) जैसे अहम फोर्स मल्टीप्लायरों की कुल संख्या में अभी भी कमी है, जिससे इन क्षमताओं को बड़े पैमाने पर तैनात करने में सीमाएँ आती हैं। भारतीय वायु सेना की लगातार प्रभावशीलता बनाए रखने के रडमैप के लिए इन कमियों को दूर करना जरूरी है।

कामयाब कप्तान के रूप में याद रहेंगी हरमनप्रीत

हर खिलाड़ी अपने खेल-जीवन में ऐसा फैसला लेता है, जिसमें वह खुद से अधिक देश के बारे में सोचता है। हरमनप्रती कौर का भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला कुछ ऐसा ही है। उन पर अगले विश्व कप के लिए टीम और नेतृत्व का ताकत देने की महती जिम्मेदारी है। ऐसा नहीं है कि स्थिति उनके लिए प्रतिकूल थी। बल्कि खिलाड़ी के रूप में वह अब भी टीम का हिस्सा बनी रहेंगी, लेकिन उससे साहस दिखाने की अपेक्षा की जा रही थी। वास्तव में, यही हिस्सा हरमनप्रती का पहचान रही है। वह मौके पर दम-खम दिखाता जानती हैं। 20 जुलाई, 2017 का मुकाबला याद कीजिए। वह विश्व कप का सेमीफाइनल था और सामने ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम थी। हरमनप्रती निर्भीक होकर खेलती रहीं और गेंद को सीमा रेखा के बाहर भेजती रहीं। 115 रनों पर नाबाद 171 रनों की वह पारी न सिर्फ उनके करियर को एक मुकाम दे गई, बल्कि भारत में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता व गंभीरता को बढ़ाने में भी कारगर साबित हुई। जिस तरह 1983 के विश्व कप में जिर्बॉन्गे के खिलाफ कपिल देव ने 175 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारतीय क्रिकेट को एक यादगार ऊँचाई दी थी, ठीक उसी तरह का प्रदर्शन हरमनप्रती ने 2017 में किया था। अलोकक यह कहते हैं कि वकई तकनीकी तौर पर दक्ष नहीं हैं। वाकई



स्पर्ति मंधाना जैसी तकनीक उनके पास नहीं है, लेकिन उनका दिल बहुत बड़ा है। और यह वह खूबी है, जो खेल की तस्वीरों में बदल सकती है। वीरेंद्र सहवाग के पास भी तकनीक का अभाव था, लेकिन उनका दिल बड़ा था, जिस कारण वह भारतीय क्रिकेट का रूप-रंग बदलने में सफल रहे। उनके समय से ही टीम इंडिया टेस्ट क्रिकेट में भी पहले ही दिन 300-400 रन बनाने लगी। महिला क्रिकेट में भी ऐसा ही बदलाव हरमनप्रीत के कारण

संभव हो सका। इस तरह की क्षमता हर खिलाड़ी के पास नहीं होती। मैंने बतौर कोच उनको करीब से देखा है। 2014 में जब मुझे महिला टीम इंडिया का मुख्य कोच मनोना गया था, तब वह एक ऑलराउंडर के रूप में खेल रही थीं। वह बहुत छोटी थीं, लेकिन उनकी 2009 की वह पारी मेरे जेहन में थी, जब नॉर्थ सिडनी ओवल स्टेडियम में विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में उन्होंने ऐतिहासिक छक्का मारा था। उस समय मैं मैनेजर के

रूप में भारतीय टीम के साथ जुड़ी हुई थी। इससे मुझे पता लगा कि क्रिकेट व लेकर उम्में जबर्दस्त भूख है। साल 2017 के आईसीसी वुमेन्स वर्ल्ड कप क्वालीफायर के फाइनल मुकाबले में ह आखिर ओवर में छक्का मारकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीतने का दम-खम उनके सिवा कोई दूसरी खिलाड़ी न दिखा सकती थी, वह भी अंतिम विकेट के रूप में और चौथी गेंद पर। सीखने के जल्बा उनके अंदर खुद है, इसीलि

सबक ले सकते हैं। फिर तकनीक मामले में भी वह तुलनात्मक रूप अच्छी हैं। उन्हें अब सबको साथ ले चलना होगा, जो किसी भी खिलाड़ी लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी जैसी होती हालांकि, इस दबाव में उनको अपने नैसर्गिक खेल भूलना नहीं चाहिए। हरमनप्रीत पर कप्तान होने का दबाव कभी-कभी दिख जाता था। उम्मीद स्मृति इस दबाव को झटकने में सफल साबित होंगी।

एलन मस्क ने घेरा तो मोदी सरकार ने दिया करारा जवाब! समझिये स्टारलिनक का भारत में प्रवेश क्यों अटका हुआ है

भारत में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की उग्रग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिनक की शुरुआत को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। एलन मस्क ने भारत में अपनी कंपनी की राह में कुछ प्रभावशाली उद्योगपतियों के रोड़े अटकाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ये कोसोबारी भारतीय जनता पर अपना एकाधिकार और नियंत्रण बनाए रखने के लिए स्टारलिनक को भारत में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। मस्क ने यहां तक कह दिया कि यह भारत की जनता के खिलाफ अपराध है। लेकिन मस्क के इस बयान के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारत जैसे संप्रभु देश की सुरक्षा और दूरसंचार नीति अब किसी अरबपति के सोशल मीडिया बयान से तय होगी खर, भारत सरकार ने मस्क के आरोप को सीधे खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि भारत में उग्रग्रह आधारित संचार सेवाओं के लिए बनाए गए नियम निष्पक्ष और किसी भी कंपनी के साथ भेदभाव से मुक्त हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन नियमों को किसी कंपनी के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताना पूरी तरह बेवुनियाद और गलत समझ पर आधारित है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत सरकार ने साफ किया है कि स्टारलिनक अकेली कंपनी नहीं है जो मंजूरी की प्रक्रिया में है। सुनील भारती मित्तल समर्थित वनवेब, मुकेश अंबानी की

लालचसँ जियो और एलन मस्क की स्टारलैंक, तीनों कंपनियों के मामले में सुझा संबंधी जांच चल रही है। सरकार के मुताबिक तीनों कंपनियाँ फिलहाल लाभार्थ एक ही नियामकीय चरण में हैं। तो फिर मस्क से पहला सवाल यही पूछा जाना चाहिए कि अगर भारत सरकार तीनों कंपनियों की सुझा जांच कर रही है, तो केवल स्टारलैंक को रोकने का आरोप भारत पर क्यों लगाया जा रहा है? इस विवाद का दूसरा और बेहद अहम पहलू इसके समय से जुड़ा है। एलन मस्क का बयान ऐसे समय आया जब भारत दुनिया के सामने अपनी संचार और डिजिटल जगत की तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए तैयार था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दरवाजे संरक्षण का उद्घाटन किया। दुनिया के सौ से अधिक देशों की भागीदारी वाले इस आयोजन में भारत की 5जी तकनीक, डिजिटल सार्वक व्यावस्था, दूरसंचार क्षेत्र की उपलब्धियों और भविष्य की संचार तकनीक को दुनिया के सामने सजाया जा रहा है। जब पूरी दुनिया भारत की संचार क्रांति और तकनीकी प्रगति को देखने के लिए जुटी थी, उसी समय स्टारलैंक को लेकर मस्क का तीखा बयान सामने आया। इसलिए सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह महज एक कारोबारी असहमति थी या फिर इस बयान के समय ने भारत की तकनीकी उपलब्धियों से

यूनिफा का ध्यान हटाकर स्टारलिक विवाद की तरफ मोड़ दिया? यह सवाल उठेगा ही कि भारत के सबसे बड़े दूसराधन आयोजनों में से एक के दौरान ही इस तरह का सार्वजनिक आरोप लगाने की जरूरत आखिर एलन मस्क को क्यों पड़ी अब बात उस मुद्दे की, जिस पर भारत सरकार कोई समझौता नहीं करना चाहती है। वह मुद्दा है राष्ट्रीय सुरक्षा। भारत ने स्टारलिक को देश में आने से पूरी तरह मना नहीं किया है। कंपनी को भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाएं देने का आवश्यक लाइसेंस मिल चुका है। लेकिन लाइसेंस मिलना लाइसेंस शुरु करने की अंतिम अनुमति नहीं है। इसके बाद सुरक्षा मंजूरी, रडियो तरंगों के आवंटन और अन्य आवश्यक नियमों का पालन करना पड़ता है। यहीं पर मस्क के आरोप की असली परीक्षा होती है। देखा जाये तो उपग्रह आधारित इंटरनेट सामान्य इंटरनेट सेवा से अलग है। यहां केवल तेज इंटरनेट पहुंचाने का सवाल नहीं है। इसके साथ भारतीय नागरिकों के आंकड़ों की सुरक्षा, आंकड़ों को देश के भीतर रखने, संचार की ध्वनि लगानी, आपाकालीनी परिस्थितियों में सरकारी पहुंच और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर प्रश्न जुड़े हैं। भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भारतीय उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा कहां रखा जाएगा, संचार व्यर्थता पर किसका नियंत्रण होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों को कानून के तहत

आवश्यकता पड़ने पर आवश्यक जानकारी और पड़व किस प्रकार उपलब्ध होगी ? वहीं स्टारलिन ने भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करते हुए दावा किया है कि उसने भारत में लगभग 20 जमीन आधारित केंद्र तैयार किए हैं और भारतीय उपयोगकर्ताओं के आकड़ों को देश के भीतर रखने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था विकसित की है। कंपनी की वरिष्ठ अधिकारी लॉरेन ड्रेयर ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कहा कि भारत से सभी आवश्यक मंजूरियां मिलाने के बाद कंपनी सेवा शुरू करने के लिए तैयार है। लेकिन भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है, पहले सुरक्षा, उसके बाद सेवा। साथ ही भारत के निष्पक्ष रवैये का एक बड़ा उदाहरण खुद एलन मस्क की दूसरी कंपनी टेस्ला है। भारत ने टेस्ला को देश में कारोबार करने से नहीं रोका। टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोला और भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री शुरू की। अगर भारत सरकार वास्तव में मस्क की कंपनियों के खिलाफ होती, तो टेस्ला को भारतीय बाजार में प्रवेश की अनुमति क्यों दी जाती ? लेकिन क्या कार बेचने और देश की संचार व्यवस्था का हिस्सा बनने को एक ही तराजू में तोला जा सकता है ? बिल्कुल नहीं। कार एक उपभोक्ता वस्तु है, जबकि देश की संचार व्यवस्था सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा, आंकड़ों और रणनीतिक संचार से जुड़ी होती है।

इसलिए दोनों क्षेत्रों में सुरक्षा के अलग-अलग मानक होना स्वाभाविक है। यही बात मस्क के आरोपों पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा करती है। अगर भारत रक्षा के साथ भेदभाव कर रहा है, तो वनवेब और रिलायंस जियो भी सुरक्षा जवाब की प्रक्रिया से क्यों गुजर रहे हैं? और अगर भारत किसी एक कारोबारी समूह को फायदा पहुंचाना चाहता है, तो फिर मस्क की टेस्ला को भारत में कारोबार करने की अनुमति क्यों दी गई? इसमें कोई दो राय नहीं कि एलन मस्क को भारत के फैसले पर सवाल उठाने का अधिकार है। लेकिन किसी संप्रभु देश की नियामकीय प्रक्रिया पर सवाल उठाने के साथ आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण देना भी जरूरी है। केवल सोशल मीडिया पर प्रभावशाली उद्योगपतियों वाला आरोप लगाना देना इस बात का प्रमाण नहीं बन जाता कि भारत की व्यवस्था पक्षपातपूर्ण है। भारत को विदेशी निवेश चाहिए, नई तकनीक चाहिए और दुनिया की बड़ी कंपनियों का स्वागत भी है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि किसी विदेशी कंपनी को राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊपर रखा जाए। भारत किसी अरबबिली को निजी संपत्ति नहीं है और न ही किसी कारोबारी की संपत्ति की सोशल मीडिया टिप्पणी भारत की नीतियां तय कर सकती है। भारत अपने फैसले अपनी नीतियों, संप्रभुता, अपने कानून, अपनी सुरक्षा और अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए करेगा। राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर करेगा। यही

किरी भी स्वतंत्र राष्ट्र का अधिकार है और यह हमें उसकी जिम्मेदारी भी है। एएन मस्क को यह भी समझना होगा कि भारत की सुरक्षा वित्त का केवल आधेका मानकर खरिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के दूसरे देशों में भी स्टारलैंक को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा और नियंत्रण से जुड़े गंभीर सवाल उठें हैं। ऑस्ट्रेलिया के सरकारी उपग्रहों अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि निजी उपग्रह इंटरनेट कंपनियों पर किसी देश का नियंत्रण सीमित हो सकता है। ऐसे में इन कंपनियों पर जरूरत के मुताबिक निगरानी और नियंत्रण होने से देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा पैदा हो सकता है। यूक्रेन में तो स्टारलैंक की भूमिका सीधे युद्ध और सुरक्षा से जुड़ चुकी है। अमेरिकी सरकारी जांच में पाया गया कि स्टारलैंक दोहरे उपयोग वाली तकनीक है जिसका इस्तेमाल नागरिक संचार के साथ-साथ युद्धक्षेत्र में ड्रोन संचालन, तोपों के निशान और सैन्य संचार के लिए भी हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में स्टारलैंक उपकरण ऐसे क्षेत्रों में पहुंच गए थे जहां उनके दुरुपयोग या चोरी का जोखिम था। यही नहीं 2026 में यूक्रेन ने रूसी ड्रोन के लिए स्टारलैंक के अवैध इस्तेमाल को रोकने के उद्देश्य से केवल अधिकृत उपकरणों को सेवा देने की व्यवस्था लागू की।



एक नज़र

प्रोटेस्ट के बीच कॉंकरोच पार्टी की रत्ना सिंह को झटका, अदालत ने खारिज कर दी पुलिस के खिलाफ एक बड़ी मांग

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को हुए कॉंकरोच पार्टी के विरोध-प्रदर्शन के बीच पार्टी की लीगल हेड रत्ना सिंह को शहर की साकेत अदालत से एक बड़ा झटका मिला है। कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने और गलत तरीके से बंधक बनाने के आरोप में पुलिसवालों के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग वाली उनकी याचिका को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिनव पांडेय की अदालत ने CJP की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह की ओर से दायर अर्जी पर यह फैसला सुनाया। रत्ना सिंह पेशे से वकील हैं। उन्होंने अदालत से संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने और मामले में पुलिस से स्थिति रिपोर्ट तबब करने की मांग की थी। याचिका के मुताबिक, रत्ना सिंह शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ वकीलों के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए सुप्रीम कोर्ट जा रही थीं। उस समय उनके साथ दो अन्य वकील भी थे। अर्जी में आरोप लगाया गया कि अपने घर के बाहर जब वह अवधिका तारा नरुला के साथ कार में बैठी थीं, तभी उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया गया। याचिका में दावा किया गया कि उनकी कार के आगे और पीछे दो गाड़ियां खड़ी कर दी गईं और पुलिसकर्मों कार के बाहर मौजूद रहे। रत्ना सिंह का आरोप है कि पूछने के बावजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने का कानूनी आधार नहीं बताया। अर्जी में घटना के संबंध में पुलिस को किए गए फोन का भी उल्लेख किया गया है। रत्ना सिंह ने याचिका में अपनी स्वतंत्रता और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उनका कहना था कि घटना की परिस्थितियों की जांच जरूरी है और इस मामले में सक्षम अधिकारियों की ओर से कार्रवाई होनी चाहिए। इसी आधार पर उन्होंने पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और संबंधित अधिकारियों से स्थिति रिपोर्ट मांगने का अनुरोध किया था।

दिल्ली दंगों के एक मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन दोषी करार, कोर्ट ने 12 अन्य आरोपियों को किया बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़झमा कोर्ट ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में दंगा भड़काने के मामले में दोषी ठहराया। हालांकि कोर्ट ने उन्हें अन्य आरोपों से बरी कर दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने इसी मामले में मो. शादाब, शाह आलम, रियासत अली, गुलफाम, मो. रिहान, अरशद कय्यूम और इरशाद अहमद समेत 12 अन्य आरोपियों को भी सभी आरोपों से बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने ताहिर हुसैन को भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा करने के लिए सज्जा) के साथ धारा 109 (उकसाने) के तहत दोषी ठहराया। उनके खिलाफ यह मुकदमा IPC की धारा 147, 148, 149 (दंगा), 427 (शरारत और संपत्ति को नुकसान), 436 (आग से नुकसान) और 120बी(आपराधिक साजिश) के तहत दर्ज किया गया था। हालांकि, अदालत ने उसे अन्य आरोपों से बरी कर दिया। इस मामले में कुल 13 आरोपी बनाए गए थे। इनमें हुसैन के अलावा मोहम्मद शादाब, शाह आलम, रियासत अली, गुलफाम, राशिद, मोहम्मद रिहान, मोहम्मद आबिद, अरशद कय्यूम, इरशाद अहमद, दीपक सिंह सैनी, नसीनत और महक सिंह शामिल थे। इन सभी पर दंगा करने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, आग से नुकसान पहुंचाने और आपराधिक साजिश रचने समेत कई अपराधों के आरोप लगाए गए थे। हालांकि अदालत ने हुसैन के अलावा अन्य 12 सह-आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया, जबकि पूर्व पार्षद को दो आरोपों में दोषी ठहराया और बाकी आरोपों से बरी कर दिया। हुसैन की सजा पर दलीले सुनने के लिए अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को तय की है।

वोट चोरी का सबूत मांगने पर बिफरे सीजेपी समर्थक, आंखों में मारा ‘मिर्च’ वाला स्रो; दिल्ली में बड़ा बवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को जारी कॉंकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन के बीच उस वक्त भारी हंगामा मच गया, जब राजस्थान से आई एक इंपलुएंसर की आंखों में एक प्रदर्शनकारी महिला ने पेपर स्रो (मिर्च वाला स्रो) कर दिया। प्राप्त जानकारी इस घटना से पहले पीड़िता और प्रदर्शनकारियों के बीच वोट चोरी होने या नहीं होने की बात पर बहस चल रही थी, इसी दौरान वह इंपलुएंसर वोट चोरी नहीं होने की बात कह रही थी और इस बारे में आरोप लगा रहे लोगों से सबूत पेश करने का बोल रही थी। इसी बीच किसी ने उसकी आंखों पर वह पेपर स्रो कर दिया। पीड़िता की पहचान राइट विंग इंपलुएंसर मौली के रूप में हुई है, जो कि राजस्थान की राजधानी जयपुर से इस विरोध-प्रदर्शन की कवरेज करने आई थी। बताया जा रहा है कि बहस के दौरान वह वंदेमातरम के नारे भी लगा रही थी।

जंतर-मंतर पर पुलिस फोर्स देख हैरान आप नेता, बोले- क्या पाकिस्तान का हमला हो गया

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट के बीच दिल्ली पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्ष के नेता भी हिरासत में लिए गए हैं। प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर तक न पहुंचे इसके लिए भारी पुलिस फोर्स नई दिल्ली में मुख्य जगहों पर तैनात है।

हाई टेक कैमरा से लेकर मल्टी लेयर बैरिकेडिंग तक की गई है। दिल्ली पुलिस ने बॉर्डर एरिया सहित कई इलाकों में सख्त पहरा लगाया हुआ है। नई दिल्ली इलाके में तो चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भारी पुलिस फोर्स की तैनाती पर हैरानी जताई है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि इतनी बड़ी संख्या में फोर्स तो ऐसे तैनात की गई है जैसे पाकिस्तान, चीन या फिर बांग्लादेश का हमला हो गया हो। सौरभ भारद्वाज ने कहा इतनी पुलिस, इतनी पैरामिलिट्री फोर्स क्या कोई पाकिस्तान का हमला हो गया बांग्लादेश से हमला हो गया या फिर चीन ने हमला कर दिया आपकी सरकार आपके मंत्री आपकी इंटेलिजेंस कहती थी कि कॉंकरोच जनता पार्टी के जितने भी फॉलोअर्स हैं पाकिस्तानी और बांग्लादेशी हैं। अगर ये पाकिस्तानी बांग्लादेश या विदेशी हैं तो इनसे इतना डर क्यों है ये कोई देश में थोड़ी न आ जाएंगे। पाकिस्तानी तो पाकिस्तान में बैठे हैं और बांग्लादेश तो बांग्लादेश में बैठे हैं। उन्होंने आगे कहा



ये हमारे देश के युवा ही हैं जो अलग-अलग राजनीतिक दल, छात्र संगठन और हमारा भी छात्र संगठन हैं जो कि सुबह से गिरफ्तारियां दे रहे हैं। गिरफ्तारी से हम लोग डरते नहीं हैं।

आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, आप नेता नेता गोपाल राय, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज

आजिंक्य शिंदे को यूं ही नहीं दी गई कमान अभिजीत दीपके के ‘गुठु आप से भी मजबूत कनेक्शन

नई दिल्ली। कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन सबसे बड़े नेताओं को हिरासत में लिए जाने के बाद कमान अब आजिंक्य शिंदे को दी गई है। ख़ुद अभिजीत दीपके ने पहले से रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो के जरिए इस बात का ऐलान किया। आजिंक्य शिंदे पहले ही सीजेपी का एक अहम हिस्सा हैं और अभिजीत दीपके के मेंटर या यूं कहें कि गुरु भी हैं। दीपके की तरह उनका भी आम आदमी पार्टी से मजबूत कनेक्शन है। अरविंद केजरीवाल की पार्टी में शिंदे का बड़ा कद था। आजिंक्य शिंदे सीजेपी में आने से पहले महाराष्ट्र में आम आदमी पार्टी के युवा विंग के प्रमुख थे। उनकी गिनती महाराष्ट्र में आप के प्रमुख नेताओं में होती थी। दीपके और शिंदे का संपर्क भी काफी पुराना है। हाल ही में दीपके और सीजेपी के सह संयोजक आशुतोष रांका ने एक वीडियो में बताया था कि शिंदे उनके और सीजेपी के लिए कितने अहम हैं। रांका ने बताया था कि शिंदे काफी पहले से दीपके के मेंटर हैं। इसका मतलब है कि वह आप के दौर से ही सीजेपी प्रमुख को रास्ता दिखाते रहे हैं। अब जब दीपके ने सीजेपी का गठन किया तो उन्होंने शिंदे को राष्ट्रीय संगठन प्रभारी का अहम पद दिया। दीपके ने उसी वीडियो में यह भी बताया था कि जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए आंदोलन के पर्दे के पीछे रहकर शिंदे ही चला रहे थे। भीड़ नियंत्रण से लेकर आंदोलन की रूपरेखा तक वहीं तय करते थे। शिंदे कॉंकरोच जनता पार्टी के ऐसे बड़े नेता हैं जो पर्दे के पीछे रहकर काम करना पसंद करते हैं। वह मीडिया के सामने कम आते हैं और बयानबाजी-विवादों से दूर रहते हैं। शिंदे काफी कम बोलते हैं। सीजेपी के संगठन में उनकी भूमिका बहुत बड़ी है। दीपके ने पिछले दिनों बताया था कि राष्ट्रीय स्तर पर जो सीजेपी की टीम बनी है, उसे शिंदे ने ही आकार दिया है। आजिंक्य शिंदे दिल्ली में हैं या महाराष्ट्र में यह, यह जानकारी साफ नहीं हो सकी है। सोशल मीडिया पर भी उनकी गतिविधि नहीं दिख रही है। ऐसे में वह किस तरह प्रदर्शन की अगुआई करेंगे इस पर सस्पेंस बना हुआ है। दीपके, दास और रांका के अलावा सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह को भी हिरासत में लिया जा चुका है।

अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी पर फिर चलाया 11 साल पुराना तीर, इन शब्दों पर खूब हुआ था विवाद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में ले लिया है। शनिवार को वह जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने के निकले ही थे कि पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उनके साथ-साथ आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसज संजय सिंह को भी हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर 11 साल पुराने एक एक्स पोस्ट को रीट्विट किया और कहा कि उन्होंने 2015 में ही कह दिया था। दरअसल साल 2015 में अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक पोस्ट किया था जिस पर काफी विवाद हुआ था। इस पोस्ट में उन्होंने पीएम मोदी के लिए डरपोक और साइकोपैथ जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को एक बार फिर इस पोस्ट को रीट्विट किया और कहा कि उन्होंने 2015 में ही कह दिया था। वहीं हिरासत में लिए जाने के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते

हुए कहा कि अब युवाओं को घर से निकलने की जरूरत है। देश के युवाओं को निकलना होगा घर से। जिन-जिन लोगों तक मेरा संदेश पहुंच रहा है, वे सभी घरों से निकले और दिल्ली की तरफ कूच करें। उन्होंने कहा, पुलिस जहां रोके, वहीं जंतर-मंतर बना दें। इससे पहले शनिवार को उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए स्थिति को आपातकाल से भी बदतर करार दिया था।

वहीं, आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल को ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करने पर दिल्ली पुलिस ने बेहमी से हिरासत में ले लिया। मोदी जी, ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए आप कितने लोगों को जेल में डालेंगे शनिवार सुबह सीजेपी के नेताओं को हिरासत में लिए जाने के बाद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विमान में ही कॉंकरोच (नेताओं) को हिरासत में लेकर दिखा दिया है कि वह डरे हुए हैं।

शरजील इमाम ने गलत किया; जमानत की शर्त तोड़ने पर अदालत, आगे हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले में आरोपी शरजील इमाम को अंतरिम जमानत की शर्तों का उल्लंघन करना भारी पड़ा। कड़कड़झमा कोर्ट ने शनिवार को माना कि शरजील ने मीडिया से संपर्क नहीं करने की शर्त तोड़ी है। हालांकि, जमानत की अवधि शनिवार शाम को समाप्त होने के कारण अदालत ने इसे रद्द नहीं किया। अदालत ने उन्हें शाम तक जेल में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। भले ही जमानत अवधि खत्म हो जाने की वजह से शरजील इमाम को समय से पहले सरेंडर नहीं करना पड़ा। लेकिन शर्त तोड़ने की वजह से उन्हें आगे नुकसान हो सकता है। अब जब भी वह अदालतों से जमानत की मांग करेंगे तो दिल्ली पुलिस मौजूदा घटनाक्रम का जिक्र करके अपना पक्ष मजबूत कर सकती है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश



समीर बाजपेयी की अदालत में दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने पक्ष रखा। अर्जी ने यह आदेश दिल्ली पुलिस की उस ओर पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें शरजील की अंतरिम जमानत की शर्तों में नहीं आने जैसी शर्तें लगाई गई थीं। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने अवटूर तक सात दिन की अंतरिम

जमानत दी थी। इसका उद्देश्य उन्हें अपने चचेरे भाइयों की शादी में शामिल होने की अनुमति देना था। जमानत के साथ सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करने और किसी भी मीडियाकर्म के संपर्क में नहीं आने जैसी शर्तें लगाई गई थीं। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने वीडियो का हवाला देते हुए बताया कि

साथ केजरीवाल ने जोर लगाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें उठा लिया। इस दौरान आप नेताओं और पुलिसकर्मियों में धक्का-मुक्की भी दिखी। वीआईपी संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सीजेपी प्रमुख दिपके और अन्य शीर्ष नेताओं को आम प्रदर्शनकारियों से दूर तीन अलग-अलग गुप्त सुरक्षित ठिकानों पर हिरासत में रखा है, जबकि आप नेताओं को नई नई दिल्ली के सुरक्षित थानों में अलग-अलग जगह पर रखा गया है। वहीं सुरक्षा एजेंसियों से मिले ताजा आंकड़ों के अनुसार, शनिवार दोपहर तक सीजेपी के प्रमुख नेताओं व आप नेताओं समेत दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न हिस्सों से 3,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को एहतियातन हिरासत में लिया जा चुका है। पुलिस ने चित्ला बॉर्डर, सिंधु बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर, आनंद विहार और कर्नाट प्लेस के

पास बड़े पैमाने पर आंदोलनकारियों को रास्तों में ही रोक लिया। हिरासत में लिए गए आम प्रदर्शनकारियों को तुरंत पुलिस की बड़ी बसों में भरकर दिल्ली के तीन बड़े खेल परिसरों-छत्रसाल स्टेडियम, मेजर नेशनचंद नेशनल स्टेडियम और राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (बवाना) भेजा गया, जिन्हें गृह मंत्रालय के निर्देश पर अस्थायी हिरासत केंद्र में तब्दील किया गया है। प्रदर्शन का आह्वान करने वाले कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के शीर्ष नेताओं को दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान लैंड होते ही रनवे और प्लेन के भीतर से हिरासत में लिया गया था। इंटेलिजेंस विंग के इनपुट पर, इन बड़े नेताओं को आम प्रदर्शनकारियों के साथ स्टेडियमों में रखने के बजाय दिल्ली-एनसीआर के तीन अलग-अलग गुप्त सुरक्षित ठिकानों पर हिरासत में रखा गया है।

पुलिस हिट, कॉंकरोचों का मंसूबा गया पिट सीजेपी के जंतर-मंतर 2 की पूरी कहानी समझ लें

नई दिल्ली। कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के लिए जंतर-मंतर 2.0 प्रोटेस्ट उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं कहा जा सकता। सीजेपी के समर्थन में जब पिछली बार जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी भारी संख्या में इकट्ठा हुए थे तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ ही प्रोटेस्ट खत्म हुआ था। इसबार सीजेपी के संयोजक मुंबई से दिल्ली के लिए रवाना हुए और फिर उन्हें विमान से ही हिरासत में ले लिया गया। वहीं उनके साथ सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका को भी हिरासत में लिया गया। सीजेपी ने सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था मगर खुद सीजेपी लीडरशिप ही नहीं पहुंच सकी। दिल्ली पुलिस ने सीजेपी को जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट की अनुमति नहीं दी थी। नई दिल्ली में भारी पुलिस फोर्स की तैनाती ने सुबह से दोपहर और फिर शाम तक प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर तक पहुंचने नहीं दिया। पुलिस विभाग की सटीक रणनीतिक और तैयारी के वजह से ऐसा कहा जा सकता है कि बड़े जोर-शोर के साथ प्रोटेस्ट का एलान करने वाली सीजेपी के मंसूबों को काफी हद तक झटका लगा है। सीजेपी की टॉप लीडरशिप को हिरासत में लिए जाने के बाद विपक्षी दलों के नेताओं ने जंतर-मंतर पहुंचने की कोशिश की मगर उन्हें भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, टीएमसी (ममता गुट) के कई सांसद, आम आदमी पार्टी के नेताओं को दोपहर दो से तीन बजे के बीच हिरासत में लिया गया। सीजेपी समर्थकों ने जंतर-मंतर तक पहुंचने की कोशिशें भी की मगर मल्टी लेयर बैरिकेडिंग और फिर भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी के बीच ऐसा करना बेहद मुश्किल रहा और वे आगे नहीं बढ़ सके। लोग सुबह से ही जंतर-मंतर पर जुटने की कोशिश में लग गए थे। सुबह से शाम तक अलग-अलग जगहों से लोगों को हिरासत में लेने का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान पुलिस से झड़प की एक दो छिटपुट घटना सामने जरूर आईं। आकाशवाणी भवन के पास पत्थर फेंके गए जिसमें पुलिसकर्मों घायल हुए। सीजेपी का जंतर-मंतर पर पिछला प्रोटेस्ट 36 दिन चला था जो कि 20 जून 2026 को शुरू हुआ था और 25 जुलाई को खत्म हुआ था। इस प्रोटेस्ट के दौरान भी भारी पुलिस फोर्स तैनात थी और मल्टी लेयर बैरिकेडिंग की गई थी। हालांकि तब किसी को यह अंदाजा नहीं था कि कुछ दिनों पहले बना सीजेपी संगठन इतना असर डाल पाएगा। माना जाता है कि तब सरकार भीड़ का सही से आकलन नहीं कर पाई थी। तो ऐसे में सवाल यह है कि इसबार क्या एहतियाती कदम उठाए गए जिससे पुलिस हिट रही और सीजेपी बैकफूट पर आईं। राजधानी में 35,000 से ज्यादा दिल्ली पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात किए गए। इनमें दिल्ली पुलिस के ही करीब 15 हजार जवान हैं। प्रोटेस्ट के लिए सीजेपी ने 10 अक्टूबर की तारीख चुनी मगर जवानों ने 8 तारीख से ही मोर्चा सभाल लिया था। वहीं दिल्ली पुलिस विभाग पहले से ही रणनीति बनाने में जुटा रहा। प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर के आस-पास न पहुंच पाए इसके लिए शुक्रवार रात से ही 45 मेट्रो स्टेशनों पर एंटी और एमिजेंट बंद कर दी गईं हालांकि इंटरचेज की सुविधा चालू रखी गई।

काँकरोचों को लठ दिखाने वाला रिकू यादव पहुंच गया जंतर-मंतर! बोला- तैयार बैठा हूं

राव उर्फ रिकू यादव ने कहा कि यदि कोई देश के खिलाफ काम करेगा तो वह लठ लेकर तैयार बैठा है। सोशल मीडिया पर साढ़े चार लाख से अधिक फॉलोअर्स वाला रिकू यादव सोशल मीडिया इंपलुएंशर है।

रिकू के कई वीडियो पिछले कुछ दिनों से वायरल हैं, जिसमें यूपी, हरियाणा और दिल्ली के पहलवानों-जिम जाने वाले लड़कों को लाठी लेकर जंतर-मंतर चलने को कहा जा रहा था। उसने गुरुग्राम में एकत्रित होकर अपने साथ चलने की अपील की थी। रिकू ने शुक्रवार को यह भी कहा कि पुलिस ने घर आकर उसे जंतर-मंतर जाने को मना किया

है। लेकिन शनिवार को उसने एक वीडियो के जरिए यह दावा किया कि वह जंतर-मंतर तक पहुंचने में कामयाब रहा। लेकिन अकेले ही हिरासत में ले लिए जाएं। रिकू ने शनिवार को एक वीडियो फेंसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा, वादे के मुताबिक जंतर-मंतर आ गया हूं। लेकिन बैरिकेडिंग देख लो। पुलिसवाले खड़े हैं। किसी को एंटी नहीं है। कोई प्रदर्शन कर रहा, नहीं कर रहा। हमने कुछ नहीं देखा। लेकिन पुलिसवाले किसी को जाने नहीं दे रहे हैं। अकेला आया हूं, एंबियंस मौलं कर एकत्रित होने वाला इसलिए कैसल कर दिया कि कोई और अरेस्ट ना

हो। मुझे पुलिस ने कह दिया था कि तू नहीं जाएगा। लेकिन फिर भी बच-बाचकर आ गया, कि एक बार जाऊंगा जरूर। मैंने पब्लिक को कहा था कि जंतर-मंतर जाऊंगा तो जाऊंगा। यहां उतरते ही पुलिसवाले कंध लेंगे, क्योंकि उन्हें निर्देश मिले हुए हैं। मुझे कल कहा था कि तू नहीं जाएगा। फिर भी मैं छुप-छुपाकर पहुंच गया। बात यहां आने की थी। रिकू यादव ने कहा कि उसे किसी के प्रदर्शन करने से दिक्कत नहीं है, लेकिन कोई अशांति फैलाने की कोशिश करेगा तो उसकी लाठी तैयार है। रिकू ने कहा, प्रदर्शन क्यों कर रहा हो तो करते रहो, हमें उससे कोई दिक्कत नहीं है।

हिरासत में लिए जाने के बाद नेहा बोरा ने शेयर किया वीडियो, बताया आंदोलन कब तक चलेगा; समर्थकों से यहां पहुंचने को कहा

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉंकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हो रहे विरोध-प्रदर्शन के बीच पुलिस ने वामपंथी छात्र संगठन AISA (ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन) की अध्यक्ष नेहा बोरा समेत कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। इसी बीच पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद नेहा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने ना केवल अपने समर्थकों से एक खास जगह पर पहुंचने की अपील की, बल्कि साथ ही यह भी बताया कि उनका यह आंदोलन कब तक चलता रहेगा। इस वीडियो में नेहा बोरा ने आंदोलन के कब तक चलते रहने की जानकारी देते हुए कहा कि, जब तक हममें से एक भी इंसान सड़क पर प्रोटेस्ट कर रहा है, ये मूवमेंट चल रहा है। इसके बाद उन्होंने बताया कि उन्हें श्रीअरबिंदो मार्ग पर सफ़दरजंग के बगल में हिरासत में लिया गया है। नेहा बोरा ने आगे बताया कि, यहां पर एक बस है जिसमें बहुत सारे साथियों को हिरासत में रखा गया है और इस बस को हजारों प्रोटेस्टर्स साथी रोक करके खड़े हुए हैं। इसके बाद नेहा ने अपने समर्थकों से अपील करते हुए कहा कि, आप सब भी श्रीअरबिंदो मार्ग पहुंचिए और इस प्रोटेस्ट को वहीं से शुरू करिए जहां पर हमको डिटेन किया था। बता दें कि SAR प्रक्रिया में हुई कथित धांधलियों का आरोप लगाते हुए कॉंकरोच जनता पार्टी समेत अन्य सभी प्रमुख विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। और इसी मांग को मनवाने के लिए कॉंकरोच पार्टी द्वारा शनिवार को इस विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। उधर सरकार ने इस विरोध प्रदर्शन को असफल बनाने के लिए दिल्ली को छावनी बना रखा है।



एक नज़र

पति की गला रेतकर हत्या, सौतन पर भी हमला; जमीन विवाद में पहली पत्नी बनी कातिल

कुशीनगर। कुशीनगर, हिन्दुस्तान संवाद- यूपी के कुशीनगर जिले के पडरौना कोतवाली क्षेत्र के जंगल जगदीशपुर, मंदरहवा टोला स्थित खेत में शनिवार तड़के मेड़ बांधने को लेकर हुए विवाद में पहली पत्नी ने पति की गला रेत कर हत्या कर दी। साथ ही सौतन पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मृतक की मां के तहरीर पर पहली पत्नी और उसके बच्चों समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। आरोपी पत्नी और साली को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के जंगल जगदीशपुर के टोला मंदरहवा निवासी ओमप्रकाश राजभर (48) ने दो शादियां की थीं। पहली शादी सिरसिया कला के टोला सिरसिया विरभान निवासिनी उर्मिला से हुई थी। दोनों से तीन बच्चे हैं। उर्मिला नेबुआ नौरंगिया ब्लॉक क्षेत्र में आशा कार्यकर्ती है। वर्ष 2003 में पति-पत्नी में विवाद शुरू हुआ। इसके बाद ओमप्रकाश ने वर्ष 2012 में बिहार की रहने वाली नित्या उर्फ अंकिता से दूसरी शादी कर ली थी। ओमप्रकाश ने दो माह पूर्व छह कट्ठा जमीन बेची थी। शनिवार की सुबह उर्मिला बच्चों के साथ गांव से पांच सौ मीटर दूर पडरौना कोतवाली क्षेत्र के खेत में हिस्से को लेकर मेड़ बांध रही थी। इसकी जानकारी होने पर ओमप्रकाश दूसरी पत्नी नित्या के साथ मौके पर पहुंचा। विवाद के दौरान उर्मिला ने बखुआ से ओमप्रकाश के गले पर वार कर दिया। बचाने पहुंची नित्या पर भी हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी सौतन घायल हो गई। एसपी और सीओ सदर, स्थानीय पुलिस समेत दो थानों की फोर्स ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतक की दूसरी पत्नी को अस्पताल भेजवाकर इलाज कराया। नेबुआ नौरंगिया पुलिस ने मृतक की मां मंगरी देवी की तहरीर पर आरोपी पत्नी उर्मिला, उसकी बहन सीमा और बच्चों समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मुख्य आरोपी और उसकी बहन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कुशीनगर के एसपी केशव कुमार ने बताया कि जमीन और पारिवारिक विवाद में पहली पत्नी ने पति पर जानलेवा किया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। पहली पत्नी और साली को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया गया है।

यूपी के इन कर्मचारियों का बहेगा मानदेय, स्वास्थ्य बीमा की सुविधा भी जल्द मिलेगी, बोर्ड बैठक में फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कर्मचारियों का आउटसोर्सिंग निगम के अनुसार तय किया गया मानदेय दिया जाएगा। अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) की सुविधा भी दी जाएगी। जल्द स्वास्थ्य बीमा का भी लाभ कर्मचारियों व उनके साथ सेवानिवृत्त कर्मियों को भी दिया जाएगा। उग्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 118वीं बैठक में यह तीन महत्वपूर्ण निर्णय कर्मचारियों के हितों में लिए गए हैं। शनिवार को बोर्ड के अध्यक्ष डा. रविंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आउटसोर्सिंग निगम की ओर से तृतीय श्रेणी व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के लिए तय किया गया मानदेय कर्मचारियों को दिया जाएगा, जिससे उनके मानदेय में बढ़ोतरी हो जाएगी। कर्मचारियों के लिए अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) की सुविधा देने पर भी बोर्ड ने सहमति जता दी है। सेवारत कर्मचारियों के साथ ही सेवानिवृत्त हुए चुके कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। बोर्ड की अगली बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव लाया जाएगा और उसे पास किया जाएगा। यानी कर्मचारियों को जल्द स्वास्थ्य बीमा की सुविधा भी मिलेगी। बैठक में सदस्य सचिव संजीव कुमार सिंह व विशेष सचिव, पर्यावरण एवं वन नीरजा सक्सेना व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अभी हाल ही में परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में पढ़ा रहे शिक्षा मित्रों का बड़े मानदेय की रकम 460 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। अभी तक शिक्षा मित्रों को 10 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाता था और अब 18 हजार रुपये दिया जाएगा। मानदेय बढ़ोतरी की घोषणा पहले की जा चुकी थी। परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में कुल 127841 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। सितंबर व अक्तूबर दो महीने की मिला कर कुल 460 करोड़ रुपये की धनराशि दी गई है। दोनों महीनों के मानदेय के भुगतान के लिए सभी जिलों को रकम जारी कर दी गई है। मानदेय में करीब 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। पहले 10 हजार रुपये मासिक मानदेय था, जिसे बढ़ाकर 18 हजार रुपये किया गया है। शिक्षामित्रों को मानदेय बढ़ोतरी का तोहफा योगी सरकार की ओर से दिए जाने की घोषणा की गई थी।

नई दिल्लीउत्तर प्रदेशअयोध्या में योगी - अखिलेश चुनाव नहीं होगा, सीएम के न्योते पर सपा चीफ ने पवन का नाम लिया

लखनऊ। विधानसभा चुनाव होने में अभी भले ही कुछ समय बाकी हो लेकिन यूपी में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। अयोध्या आकर चुनाव लड़ने वाले अखिलेश के बयान को सीएम योगी ने स्वीकार करते हुए सपा मुखिया को आमने-सामने चुनाव लड़ने को लेकर चैलेंज कर दिया। इसके बाद सियासी हलकों में योगी और अखिलेश के आमने-सामने चुनाव लड़ने की चर्चाएं होने लगीं। हालांकि कुछ घंटे बाद ही अखिलेश यादव ने अयोध्या में चुनाव लड़ने को लेकर सपा का रूख पूरी तरह से साफ कर दिया। उन्होंने कहा, अयोध्या में सपा की ओर से पवन को चुनावी मैदान में उतारा जाएगा। अखिलेश के इस बयान से ये साफ हो गया है कि अयोध्या में अखिलेश और योगी आमने सामने चुनाव नहीं लड़ेंगे। सोशल मीडिया एक्स पर लिखी पोस्ट के जरिए अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर तंज कसा। उन्होंने लिखा, पवन का झोका आगगा, अंहकार सब उड़ जाएगा। उन्होंने आगे लिखा, अयोध्या में ‘चढ़ावा-चंदा-दान’ चोरों को हराने के लिए हमारा एक युवा ‘पीडीए प्रहरी’ ही काफी है। चोरों को क्लीन चिट देनेवाले दरअसल हिस्सेदार होते हैं। दूध का दूध, पानी का पानी तो हुआ नहीं, इस बार जनता घमंड का सारा पानी उतार देगी। लोकसभा भूल गये क्या? और बाकी कसर अयोध्या की वो माताएं पूरा कर देंगी जिन्होंने सरेआम दुखी माँ का अपमान करते हुए दुर्दयवहारी दंभियों को देखा है। अपने इंटरनेल सर्वे में आपको ये बात पता चली कि नहीं कि अयोध्या में आपकी तरफ से कोई चुनाव नहीं लड़ना चाहता है। पावन स्थलों पर वनस्पतिजीवियों का कोई काम नहीं। सीएम

एसटीएफ ने कोडीनयुक्त सिरप का बड़ा जखीरा पकड़ा था। 120 गते में यानी 12 हजार सिरप बरामद हुए थे। सूत्रों के मुताबिक इसके बाद दिल्ली की फर्म राजधानी ट्रांसपोर्ट में रखी सिरप की 25 हजार शीशियां बाबूपुरवा के ढकनापुरवा स्थित गोदाम में रखवाई गई थीं। दिल्ली की फर्म राजधानी ट्रांसपोर्ट गुडगांव हरियाणा निवासी कुंवर राज सिंह चड्ढा की बताई जा रही है। एएनटीएफ जल्द उनसे भी पूछताछ कर सकती है। इस मामले में एएनटीएफ लखनऊ मुख्यालय की एसीपी नित्या गोस्वामी ने बाबूपुरवा थाने में मिहिर ठाकुर से पूछताछ की थी। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में कई इनपुट मिले हैं। जिसके आधार पर जल्द ही कोडीनयुक्त सिरप के अवैध कारोबार करने वालों पर नकेल सकी जाएगी।

पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप ने फेसबुक पर डाला इस्तीफा, समर्थकों ने भी पार्टी छोड़ने का किया ऐलान

बरेली। भाजपा के पूर्व सांसद धर्मेद्र कश्यप ने सोशल मीडिया पर अपना इस्तीफा पोस्ट कर पार्टी की प्राथमिक और सक्रिय सदस्यता छोड़ने की घोषणा कर दी। पार्टी संगठन में भीतरघात करने वालों को तर्जुनी देते और पिछड़े व अति पिछड़े समाज की उपेक्षा के आरोप लगाते हुए उन्होंने नेतृत्व से इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया है। उनके इस कदम से बरेली की सियासत में हलचल तेज हो गई है। वहीं, इस्तीफे की घोषणा के बाद उनके समर्थन में भाजपा के विभिन्न पदों पर बैठे कुछ समर्थकों ने भी अपने इस्तीफे सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। धर्मेद्र कश्यप ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष को संबोधित त्यागपत्र में संगठन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ भीतरघात करने और वोट देने वालों को संगठन में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया, जबकि पिछड़े और अति पिछड़े समाज को अपेक्षित सम्मान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिला। उन्होंने इन्हीं परिस्थितियों से आहत होकर पार्टी छोड़ने की बात कही है। मालूम हो कि धर्मेद्र कश्यप ने छह अक्टूबर को फेसबुक पर ‘टाटा, गुड-बाय’ लिखकर पार्टी छोड़ने के संकेत दिए थे। उसी दिन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लगी अपनी प्रोफाइल तस्वीर भी बदल दी थी। शुक्रवार को उन्होंने फेसबुक पर लगातार कई पोस्ट किए। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, ‘जोड़ लगाकर देख लो, जो भी जिसको आता है। घटाकर हमको देख लो, फिर कौन कहां रह जाता है।’ इसके बाद उन्होंने काशीराम को श्रद्धांजलि देते हुए पोस्ट किया और शाम करीब पांच बजे अपना इस्तीफा सार्वजनिक कर दिया। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरन लाल लोधी ने कहा कि धर्मेद्र कश्यप उनके अच्छे मित्र हैं। काफी समय बाद उनसे मुलाकात हुई थी, जिसकी तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आत्मीय मुलाकात थी, इसके राजनीतिक मायने नहीं निकाले जाने चाहिए।

चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन, बीजेपी बचाव में क्यों अखिलेश बोले- चोर की दाढ़ी में तिनका

इटावा। इटावा के सैफर्ड में पिता मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश ने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान सपा समर्थकों और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज के मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कटवाए जा रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसकी विश्वसनीयता समाप्त हो चुकी है। उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनाव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी चुनाव में हारी नहीं थीं, बल्कि तीन लाख से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर चुनाव लूटा गया था। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष की ओर से इंडिया ब्लॉक को अराजक बताए जाने के सवाल पर उन्होंने पलटवार किया। अखिलेश ने कहा कि सवाल चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर है, आंदोलन इलेक्शन कमीशन के खिलाफ हो रहा है। ऐसे में भाजपा उसका बचाव क्यों कर रही है उन्होंने इसे चोर की दाढ़ी में तिनका वाली कहावत से जोड़ते हुए आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान सपा समर्थकों और पीडीए पार्टी के पीडीए प्रहरियों ने कथित तौर पर फर्जी फॉर्म-7 भरने के मामले पकड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि सुल्तानपुर में नंदलाल निषाद के फर्जी हस्ताक्षर कराकर वोट काटने की कोशिश की गई, जबकि उनके मुताबिक संबंधित व्यक्ति हस्ताक्षर करने के बजाय अगुआ लगाते हैं। अखिलेश ने लखनऊ की सरोजिनी नगर विधानसभा सीट का उदाहरण देते हुए कहा कि दशरथ नाम के व्यक्ति से 100 से अधिक फॉर्म-7 भरवाए गए। उन्होंने बिधुना में सपा के नगर अध्यक्ष के कथित फर्जी हस्ताक्षर से वोट काटने का मामला भी उठाया। अखिलेश के अनुसार, इन मामलों की जानकारी चुनाव आयोग को दी गई है।

लखनऊ। सीएम योगी ने शारदीय नवरात्रि पर देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुगम दर्शन, सफाई, प्रकाश, पेयजल और यातायात व्यवस्था बेहतर रखने तथा श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने और पर्व को श्रद्धा और सौहार्द से मनाने की अपील की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने मां दुर्गा से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि का पर्व भारतीय सनातन परंपरा में विशेष महत्व

रखा है। यह पर्व मातृशक्ति के प्रति समाज की आस्था और सम्मान का प्रतीक होने के साथ ही शक्ति, साधना, संयम, सेवा और लोककल्याण की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि के दौरान प्रदेश के देवी मंदिरों, शक्तिपीठों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने संबंधित व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने की आवश्यकता बताई। मंदिर परिसरों में सुगम दर्शन, साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश, पेयजल, यातायात प्रबंधन और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को

यूट्यूबर संजय यदुवंशी की बर्बी मुश्किलें, प्रदर्शन पर 2 केस दर्ज, पुलिस ने घर में दी थी दबिश

सुल्तानपुर। वरिष्ठ संवाददाता, सुलतानपुर- यूट्यूबर संजय यदुवंशी के तिकोनिया पार्क में छह घंटे धरने के बाद उनके खिलाफ दो मुकदमे दर्ज कर लिए गए। वहीं तीसरा मुकदमा दर्ज करने की तैयारी है। पहला मुकदमा पार्क में नुकसान को लेकर नगर पालिका की ओर से वहीं दूसरा केस भारत विकास परिषद द्वारा महापुरुषों की प्रतिमाओं के अपमान को लेकर मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि प्रदर्शन बिना अनुमति के किया गया, इस मामले की रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी पुलिस की तरफ से की जा रही है। गौरतलब है कि जानलेवा हमले के मामले में नामजद होकर वांछित चल रहे यूट्यूबर संजय यदुवंशी के घर बीते 6 अक्तूबर की रात पुलिस ने दबिश दी थी। इस दौरान यूट्यूबर संजय यदुवंशी तो नहीं मिले, लेकिन परिवार के सदस्यों और पुलिस के बीच जमकर नोक झोंक हुई थी। इस मामले में गुरुवार को जमानत करने के बाद संजय ने प्रशासन के खिलाफ तिकोनिया पार्क में प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। शुक्रवार को सुबह के समय संजय तय समय पर अपने कुछ समर्थकों के संग तिकोनिया पार्क पहुंचे। हालांकि उस समय तक समर्थकों की संख्या ज्यादा नहीं थी, हालांकि भीड़ होने के अंदाशे से तिकोनिया पार्क पर संजय से ही पुलिस तैनात की गई थी। लेकिन बावजूद 12.30 बजते- बजते संजय के पक्ष में करीब एक

हजार की भीड़ तिकोनिया पार्क पर एकत्र हो गई। इस दौरान तिकोनिया पार्क में स्थापित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर चढ़कर संजय ने समर्थकों को ललकारना शुरू किया। भाषण तो कुछ नहीं था, लेकिन कोमेंडी अंदाज में उनके बोलने पर युवा शोर मचाते रहे। वहीं दूसरी ओर इस दौरान सीओ नगर राघवेंद्र सिंह, सीओ कादीपुर विनय गौतम भी मौजूद रहे। पूर्वान्न दस बजे से शुरू हुआ प्रदर्शन अपराह्न पाँचे चार बजे तब समाप्त हुआ, जब सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन मौके पर पहुंचकर ज्ञापन लिया। ज्ञापन में संजय ने दबिश देने गए थानाध्यक्ष विपेंद्र कुमार वर्मा, निरीक्षक राजेश ओझा, सिपाही राजन यादव और अन्य साथ में रहे पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई कर निर्लंबन की मांग की है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर यदुवंशी के वीडियो पर कमेंट किया था। संजय यदुवंशी से जुड़े इस विवाद की शुरुआत सितंबर में कोतवाली नगर क्षेत्र के तुराबखानी निवासी खान बाबा पर हुए जानलेवा हमले से जुड़ी है। इस मामले में संजय यदुवंशी पर मुकदमा दर्ज हुआ था। सोमवार रात धम्मर पुलिस ने उछड़पुर गांव के अहरिन का पुरवा स्थित संजय यदुवंशी के घर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस पर दीवार फांदकर घर में घुसने और परिजनों से गाली-गलौज करने के आरोप लगे थे। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था।

शारदीय नवरात्र पर सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से की ये अपील, शांति-समृद्धि की कामना

किसी प्रकार की परेशानी न हो। सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से भी अपील की कि वे मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने नवरात्रि पर्व को श्रद्धा, अनुशासन और आपसी सौहार्द के साथ मनाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने आशा जताई कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय सनातन धर्म परंपरा में प्राचीन काल से ही मां दुर्गा की उपासना का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। मां दुर्गा शक्ति की अधिष्ठात्री देवी और चराचर जगत की आदिशक्ति हैं। उनके अनंत स्वरूप सृष्टि के

नकली नोटों को असली के साथ मिलाकर बाजार में खपाते; 1.5 लाख की फेक करेंसी के साथ 2 गिरफ्तार

बदायूं। नकली नोट छापकर बाजार में चलाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से डेढ़ लाख रुपये से अधिक के नकली नोट और नोट छापने के उपकरण बरामद हुए हैं। आरोपियों के चार साथी पहले ही कासगंज जिले की सोरों पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है। अलापुर थाना पुलिस ने थानाध्यक्ष सनी चौधरी के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान भसराला गांव निवासी यावर अली पुत्र मकसूद अली और नुरुलहसन पुत्र रहीसुल हसन के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से 500 रुपये के 315 नकली नोट बरामद किए हैं। इनकी कुल कीमत एक लाख 57 हजार 500 रुपये है। इसके अलावा 500 रुपये के छह अंधबने नोट और नकली नोट छापने की एक डाई बरामद हुई है। पुलिस को मौके से हरे टेप का एक बंडल, ग्लू स्टिक, एक मोबाइल फोन, दो कटर ब्लेड, एक्सटेंशन बोर्ड और सफेद कागज का एक बंडल भी मिला है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे काफी समय से नकली नोट तैयार कर रहे थे और उन्हें धीरे-धीरे बाजार में चला रहे थे। इसके लिए नकली नोटों को असली नोटों के साथ आगे-पीछे लगाकर इस्तेमाल करते थे। पुलिस के मुताबिक, यावर अली कासगंज जिले के सोरों थाने में दर्ज एक मामले में वांछित चल रहा था। उसके दो साथी रुपकिशोर उर्फ राजू और गोविंद चार सितंबर को सोरों पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जा चुके हैं। नुरुलहसन भी पहले अलापुर में नकली नोटों के मामले में पकड़ा गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी सिटी अभिषेक सिंह ने बताया कि नकली नोट छापकर बाजार में चलाने वाले यावर अली और नुरुलहसन को गिरफ्तार किया गया है।



गए थे तब दिल्ली कनेक्शन सामने आया था। इसी वजह से माल दिल्ली से हटाकर कानपुर शिफ्ट किया गया था। अब इसे प्रयागराज और वाराणसी की टीम ने बिहार के मुधबनी जिले के मिहिर कुमार ठाकुर को गिरफ्तार किया है, जो बर्रा के बिहारीपुरवा में रह रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि दिल्ली के मंगोलपुरी स्थित नोवोटिक्स लाइफ साइसेज फर्म के जरिए फर्जी बिल्टी बनाकर सिरप मंगाया जाता था। माल वाराणसी के कोटवा सारनाथ स्थित हनुमान ट्रेडर्स को सप्लाई होना था। एएनटीएफ की तहरीर पर बाबूपुरवा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। सूत्र बताते हैं कि फिलहाल इस मामले की विवेचना भी बाबूपुरवा पुलिस ही करेगी। विवेचना से कोई खास लाभ या जानकारी की संभावना हुई तो एएनटीएफ भी इसकी विवेचना कर सकती है। कोडीनयुक्त कफ सीरप की 25 हजार शीशियां फर्जी बिल्टी से दिल्ली से कानपुर लाई गई थीं। पिछले महीने प्रयागराज में जब सिरप पकड़े

जानकारियां सामने आई हैं। एएनटीएफ कानपुर यूनिट के साथ ही मुख्यालय से भी टीम ने आकर पूछताछ की है। माना जा रहा है जल्द ही प्रयागराज, वाराणसी और दिल्ली में पकड़े गए तस्कर मिहिर कुमार ठाकुर से चली तीन घंटे की पूछताछ में ये

जानकारियां सामने आई हैं। एएनटीएफ कानपुर यूनिट के साथ ही मुख्यालय से भी टीम ने आकर पूछताछ की है। माना जा रहा है जल्द ही प्रयागराज, वाराणसी और दिल्ली में पकड़े गए तस्कर मिहिर कुमार ठाकुर से चली तीन घंटे की पूछताछ में ये

जानकारियां सामने आई हैं। एएनटीएफ कानपुर यूनिट के साथ ही मुख्यालय से भी टीम ने आकर पूछताछ की है। माना जा रहा है जल्द ही प्रयागराज, वाराणसी और दिल्ली में पकड़े गए तस्कर मिहिर कुमार ठाकुर से चली तीन घंटे की पूछताछ में ये

शारदीय नवरात्र पर सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से की ये अपील, शांति-समृद्धि की कामना

लखनऊ। सीएम योगी ने शारदीय नवरात्रि पर देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुगम दर्शन, सफाई, प्रकाश, पेयजल और यातायात व्यवस्था बेहतर रखने तथा श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने और पर्व को श्रद्धा और सौहार्द से मनाने की अपील की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने मां दुर्गा से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि का पर्व भारतीय सनातन परंपरा में विशेष महत्व

नकली नोटों को असली के साथ मिलाकर बाजार में खपाते; 1.5 लाख की फेक करेंसी के साथ 2 गिरफ्तार

बदायूं। नकली नोट छापकर बाजार में चलाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से डेढ़ लाख रुपये से अधिक के नकली नोट और नोट छापने के उपकरण बरामद हुए हैं। आरोपियों के चार साथी पहले ही कासगंज जिले की सोरों पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है। अलापुर थाना पुलिस ने थानाध्यक्ष सनी चौधरी के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान भसराला गांव निवासी यावर अली पुत्र मकसूद अली और नुरुलहसन पुत्र रहीसुल हसन के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से 500 रुपये के 315 नकली नोट बरामद किए हैं। इनकी कुल कीमत एक लाख 57 हजार 500 रुपये है। इसके अलावा 500 रुपये के छह अंधबने नोट और नकली नोट छापने की एक डाई बरामद हुई है। पुलिस को मौके से हरे टेप का एक बंडल, ग्लू स्टिक, एक मोबाइल फोन, दो कटर ब्लेड, एक्सटेंशन बोर्ड और सफेद कागज का एक बंडल भी मिला है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे काफी समय से नकली नोट तैयार कर रहे थे और उन्हें धीरे-धीरे बाजार में चला रहे थे। इसके लिए नकली नोटों को असली नोटों के साथ आगे-पीछे लगाकर इस्तेमाल करते थे। पुलिस के मुताबिक, यावर अली कासगंज जिले के सोरों थाने में दर्ज एक मामले में वांछित चल रहा था। उसके दो साथी रुपकिशोर उर्फ राजू और गोविंद चार सितंबर को सोरों पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जा चुके हैं। नुरुलहसन भी पहले अलापुर में नकली नोटों के मामले में पकड़ा गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी सिटी अभिषेक सिंह ने बताया कि नकली नोट छापकर बाजार में चलाने वाले यावर अली और नुरुलहसन को गिरफ्तार किया गया है।



एक नज़र

रनों की सुनामी में बहे गेंदबाज, भारत-वेस्टइंडीज मैच में बने 501; किस गेंदबाज की हुई सबसे ज्यादा धुलाई

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टी20 मैच में रनों की सुनामी देखने को मिली। रांची में खेले गए मुकाबले में कुल 501 रन बने। दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ पारियां खेली और गेंदबाजों की जमकर धुनाई। मैच के दौरान बहुत कम ऐसे मौके आए जब किसी ओवर में बाउंड्री नहीं लगी हो। वेस्टइंडीज ने अपनी पारी में 20 छक्के लगाए तो वहीं भारत की ओर से 13 छक्के लगे। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 249 रन बनाए। बड़ा लक्ष्य मिलने के बाद पहले ही ओवर में दो झटके लगने के कारण वेस्टइंडीज के लिए राह मुश्किल हो गई थी लेकिन शे होप और रदरफोर्ड ने शतकीय साझेदारी करके भारत से मैच छीन लिया। भारत ने रांची में पहले बल्लेबाजी करते हुए संजु सैमसन के 82 रनों की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 249 रन बनाए। भारत के लिये संजु सैमसन 82 रन की आक्रामक पारी के साथ फॉर्म में लौटे जबकि श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा ने भी उपयोगी पारियां खेलीं लेकिन होप और रदरफोर्ड ने भारत के स्पिन आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं। लेकिन शे होप की 45 गेंदों में कप्तानी पारी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाकर मैच को एकतरफा अंदाज में समाप्त कर दिया। होप ने अपना दूसरा टी20 शतक बनाया और वेस्ट इंडीज ने टी20 में अपनी सबसे सफल रन चेज हासिल की। दोनों टीमों के स्कोर को जोड़ा जाए तो कुल 501 रन बने। इस दौरान 33 छक्के और 46 चौके लगे। वेस्ट इंडीज ने इस पारी में 34 उड़ गेंदें खेलीं, इसके बावजूद एक बहुत बड़े लक्ष्य को नौ गेंद शेष रहते हुए जीत लिया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए दूसरे टी20 मैच में लगभग सभी गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। वेस्टइंडीज के गेंदबाज शमार रिफ़ग़र और खिलाड़ियों के प्रदर्शन से ज्यादा रन के अक्षर पटेल ने सबसे ज्यादा रन खर्च किए। उन्होंने 3.3 ओवर में बिना विकेट लिए 63 रन दिए। रोमारियो शेफर्ड ने 3.4 ओवर में 47 रन दिए। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने चार ओवर में एक विकेट लेकर 53 रन दिए। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा टी20 मैच इंदौर में खेला जाएगा।

सुनील गावस्कर ने मोर्न मोर्कल पर साधा निशाना, कहा-कोच से पूछना चाहिए वे क्या उम्मीद कर रहे थे

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया दूसरा टी20 मैच चौकी चौकों की वजह से यादगार बन गया है। बहुत कम दिन टी20 इंटरनेशनल मैचों में 500 से ज्यादा रन बनते हैं और 250 रनों का लक्ष्य हासिल होता है। लेकिन भारत और वेस्टइंडीज के बीच रांची में खेले गए मुकाबले ने रिकॉर्डबुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। नतीजों और खिलाड़ियों के प्रदर्शन से ज्यादा पिच को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वेस्टइंडीज ने भारत द्वारा मिले 250 रनों के लक्ष्य को हासिल करते हुए 9 गेंद रहते ही हासिल कर लिया और टी20 इंटरनेशनल में अपना सबसे सफल रन चेज भी पूरा किया। दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस मैच को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और उनका मानना है कि गेंदाबाजी कोच से गेंदबाजों को लेकर सवाल पूछना जरूरी है। सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे लगा कि भारत 235–240 के पास पहुंचेगा। लेकिन भारत ने नौ रन ज्यादा बनाए। एक चीज साफ है कि बल्लेबाजों को दोष नहीं दिया जा सकता। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कम स्कोर किया। साफ है कि गेंदबाजों ने वैसा नहीं किया जैसा उन्हें करना चाहिए था। गेंदबाजी कोच से पूछना चाहिए कि वे क्या उम्मीद कर रहे थे और क्या गेंदबाजों ने वैसा किया। वरुण एरोन ने कहा, अक्षर पटेल को चौथा ओवर देना बिल्कुल भी जरूरी नहीं था क्योंकि शे होप और रोवैन पॉवेल जैसे दो मध्य क्रम के बल्लेबाज नई गेंद के खिलाफ कमजोर हैं। आपको चार ओवर तेज गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी करनी चाहिए थी। कप्तान शे होप के नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 मैच में शुरुवार को जीत के लिए रिकॉर्ड 250 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर कर ली। भारत के पांच विकेट पर 249 रन के जवाब में वेस्टइंडीज के लिये होप ने 45 गेंद में छह चौकों और नौ छकों की मदद से नाबाद 102 रन बनाये। वहीं शेरफान रदरफोर्ड ने 37 गेंद में 84 रन बनाये जिसमें सात चौके और सात छक्के शामिल थे। इन दोनों पारियों की मदद से वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत ने पहला मैच लखनऊ में आठ विकेट से जीता था। भारत के लिये संजु सैमसन 82 रन की आक्रामक पारी के साथ फॉर्म में लौटे जबकि श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। लेकिन होप और रदरफोर्ड ने भारत के स्पिन आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं।

बैटिंग पर ध्यान दो, यशस्वी जायसवाल के विकेटकीपिंग करने पर भड़के पूर्व क्रिकेटर, कहा- जल्दबाजी क्यों कर रहे

भुवनेश्वर कुमार की इंडिया वापसी पर मोहम्मद शमी ने किया रिफ़्ट, कहा-अच्छी बात है लेकिन यह मेरे लिए अच्छी बात

नई दिल्ली। 6 अक्टूबर 2026 को भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई। यह खबर यह थी कि चार साल के लंबे अंतराल के बाद भुवनेश्वर कुमार भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्हें आगामी न्यूजीलैंड दौरे में होने वाली पांच मैचों की टी–20 सीरीज में भारतीय टीम में स्थान दिया गया है। भुवनेश्वर कुमार के टीम इंडिया में चयनित होने से ज्यादातर फैस काफी खुश हैं और पूर्व क्रिकेटरों ने भी इस रिफ़ग गेंदबाजी के महारथी गेंदबाजी की काफी तारीफ की है। अब भुवनेश्वर कुमार के चयन पर लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे 36 वर्षीय गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। मोहम्मद शमी ने भुवनेश्वर कुमार के टीम इंडिया में चयनित होने पर खुशी जाहिर की है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया है कि भुवी का चयन उनके लिए किसी भी चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने अपनी वापसी पर बात करते हुए कहा है कि अगर मुझे टीम इंडिया के लिए फिट होने के बाद भी चयनित नहीं किया जाता है तो यह मेरा नुकसान नहीं है। मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी 2026 की शुरुआत से पहले रेवसपोर्ट्स से बात करते हुए भुवनेश्वर कुमार के बारे में कहा कि भुवनेश्वर कुमार को भारत के लिए खेलने का मौका मिला है और यह उनके लिए अच्छी बात है। हालांकि, आगे उन्होंने यह भी जोड़ा कि लेकिन उनका चयन मेरे लिए चिंता का विषय नहीं है। शमी ने आगे अपने बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे जहां भी खेलने



का मौका मिलेगा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दूंगा। फिलहाल मेरा पूरा ध्यान इस रणजी मैच पर है। पिछले दो–तीन सालों से मेरे साथ यही होता आ रहा है। मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है और बंगाल के लिए अपनी फिटनेस साबित की है। अगर मुझे दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिलता है, तो यह मेरा नुकसान नहीं है। बता दें कि 36 वर्षीय अग्र मुझे टीम इंडिया पर 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए खेला था। विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद 2023 के अंत में चोट के कारण उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा। उनकी चोट कई समस्याओं में तब्दील हो गई और उन्हें ठीक होने में 2025 की शुरुआत तक का समय लग गया। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद शमी को किसी भी प्रारूप के लिए नहीं चुना गया और तत्कालीन मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने बार–बार तेज गेंदबाज की फिटनेस का हवाला दिया। इस दौरान शमी ने घरेलू

दूर्नमेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन टीम से उनका नाता टूटा और उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा और हार्षित राणा जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया। 2027 वर्ल्ड कप को लेकर एक तरफ विराट कोहली और रोहित शर्मा के खेलने की चर्चा तो तेज चल ही रही है और यह लगभग तय हो चुका है कि दोनों बल्लेबाज साथथ अफ्रीका में होने वाले मेगा इवेंट में हिस्सा लेंगे, लेकिन साथ ही साथ भुवनेश्वर कुमार और शमी की भी वनडे सेंटअप में वापसी की चर्चा चल रही है और इसका सबसे बड़ा करने भारत के मौजूदा गेंदबाजों का अखरदार प्रदर्शन ना कर पाना है।

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए किया 2 टीमों का ऐलान, बदले जाणगे 7 खिलाड़ी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने आज यानी रविवार, 11 अक्टूबर को भारत के खिलाफ आगामी 5 मैच की वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर

हो रही है, जबकि इस भूमिका के लिए ईशान किशन, संजु सैमसन और ऋषभ पंत जैसे विकल्प मौजूद हैं। जाफर ने कहा, जब मैंने यह सुना तो मुझे खुद हैरानी हुई। अगर आपने बचपन से विकेटकीपिंग नहीं की है, तो यह बहुत मुश्किल काम है।

यह काफी थकाने वाली जिम्मेदारी भी है। वह अगर विकेटकीपिंग शुरू भी कर देते हैं, तो उन्हें जगह कहां मिलेगी? किशन, सैमसन और पंत मौजूद हैं। मुझे लगता है कि वह स्फेद गेंद के क्रिकेट में जगह बनाने के लिए ऐसा करना चाहते हैं। रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज जाफर का मानना

है कि टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपिंग करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। उनके मुताबिक, इस भूमिका के लिए जरूरी कोशल को कम समय में विकसित करना आसान नहीं है। उन्होंने अगले महीने होने वाले भारत के न्यूजीलैंड दौरे से पहले जायसवाल को अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने की सलाह दी। जाफर ने कहा, टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपिंग करना बहुत मुश्किल है। मुझे लगता है कि यह कुछ हद तक होना जैसा है, क्योंकि अगर आपने बचपन से विकेटकीपिंग नहीं की है, तो यह आसान काम नहीं है। यह ऐसा कोशल नहीं है, जिसे आप बहुत कम समय में विकसित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह सीमित ओवरों की टीम में जगह पाने के लिए कुछ ज्यादा ही जल्दबाजी कर रहे हैं। उन्हें रणजी ट्रॉफी और न्यूजीलैंड दौरे से पहले अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहिए। जायसवाल रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ मुंबई के रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले में खेलेंगे। राष्ट्रीय टीम से जुड़ी प्रतिबद्धताओं के कारण वह इसके बाद होने वाले मुंबई के अगले मैच में नहीं खेल पाएंगे। बताया जा रहा है कि घरेलू सत्र से पहले मुंबई के एक अभ्यास मैच में उन्होंने करीब 10 ओवर तक विकेटकीपिंग भी की थी।

अश्विन ने भारत की सबसे बड़ी कमी कर दी उजागर, कहा- हमारे पास ज्यादा क्वालिटी नहीं

नई दिल्ली। भारत के युवा तेज गेंदबाज वनडे, टी20 और टेस्ट में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। लगातार मैचों में भारत को अनुभवी गेंदबाजों की कमी खली है। कई गेंदबाज चोट की वजह से टीम में लगातार अंदर–बाहर हो रहे हैं, जबकि कुछ को आराम दिया जा रहा है और इसी वजह से भारत का गेंदबाजी आक्रमण काफी कमजोर नजर आ रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 250 रनों को डिफेंड नहीं कर पाना, इसका ताजा उदाहरण है। भारत के पूर्व क्रिकेटर अश्विन ने टीम इंडिया की बॉलिंग युनिट की गहराई को लेकर चिंता जाहिर की है। रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि टीम को अच्छे गेंदबाज तैयार करने के लिए और ज्यादा काम करना होगा। उनका मानना है कि ज्यादा रन बनने वाली पिच पर सिर्फ बुमराह जैसे खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ऐसा नहीं है कि मैं गेंदबाजों को दोष दे रहा हूँ। लेकिन गेंदबाजी में हमारे पास पर्याप्त क्वालिटी नहीं है और हमने अच्छे गेंदबाज बनाने पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। इसलिए अच्छे गेंदबाज गेंदबाज बनाने पर ज्यादा ध्यान देना शायद बेहतर विकल्प होता। भारत के लिए एक प्रमुख सकारात्मक पहलू तेज गेंदबाज मयंक यादव की तूफानी गेंदबाजी रही, जिन्होंने लगातार 140 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से

आगे कहा, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव भाग्यशाली थे क्योंकि उनके पास बुमराह था। बुमराह जरूरत पड़ने पर डिफेंसिव गेंदबाजी कर सकता है और उसके पास अच्छे स्लोअर बॉल भी हैं। लेकिन इतने प्रतिभाशाली गेंदबाज कम हैं, और मैं भारतीय गेंदबाजी के भविष्य को लेकर सच में चिंतित हूं। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 250 अच्छा स्कोर है। मुझे लगता है कि भारत डिफेंसिव गेंदबाजी में पीछे रहा। मेरा मतलब है कि पावरप्ले के तुरंत बाद शिवम दुबे को लाया गया। मुझे लगता है कि दोनों कप्तानों शे होप और श्रेयस अय्यर का आज औसत दिन रहा। मयंक यादव ने पहले छह ओवर में दो–तीन विकेट लिए थे, तब कुलदीप यादव को थोड़ा जल्दी लाना चाहिए था। भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर ने कहा कि रिफ़ािन ओवर के मुकाबलों में गेंद ओर बल्ले के संतुलन को थोड़ा ठीक करने। इन पिचों पर गेंदबाजों को बहुत कम मदद मिलती है ऐसी पिचों पर उनका करियर दांव पर लगा रहता है। भारतीय कोच ने कहा, आप किसी भी हार को नजरअंदाज नहीं करते। ये गेंदबाजी के लिए जाहिर तौर पर मुश्किल परिस्थितियां हैं। हमें पता है कि ओस के साथ सपाट विकेटों पर गेंदबाजी करना मुश्किल होता है, लेकिन हमें इसका हल निकालना होगा।

सुनील गावस्कर ने भारतीय टीम की गलतियां गिनाई, श्रेयस अय्यर के फैसले पड़े भारी

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना ??है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव या बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बजाय कुलदीप यादव को महत्वपूर्ण 17वां ओवर सौंपकर बड़ी गलती की। कुलदीप ने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे 250 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। वेस्टइंडीज ने यह मैच छह विकेट से जीतकर पांच मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर कर ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील

गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। अर्शदीप ने अपने आखिरी ओवर (18वें ओवर) में खूब रन लुटाए, लेकिन मयंक ने शुरुआती झटके दिए थे। उन्होंने कहा, मयंक का इकॉनमी रेट लगभग 12 रन प्रति ओवर था और उस समय वेस्टइंडीज को इससे अधिक रन चाहिए थे। इसलिए अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। गावस्कर का मानना था कि उस महत्वपूर्ण मोड़ पर मयंक का एक और विकेट वेस्टइंडीज पर भारी दबाव डाल सकता था और उसके लिए मुश्किल पैदा कर

सकता था। उन्होंने कहा, जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है। एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था। इसके अलावा मुझे लगता है कि नौवें ओवर में शिवम दुबे को गेंदबाजी के लिए बुलाना सही फैसला नहीं था। तब बल्लेबाज लय हासिल करने की कोशिश कर रहे थे और इसलिए तब कुलदीप को लाना शायद बेहतर विकल्प होता। भारत के लिए एक प्रमुख सकारात्मक पहलू तेज गेंदबाज मयंक यादव की तूफानी गेंदबाजी रही, जिन्होंने लगातार 140 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से

गेंदबाजी की और वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। गंभीर ने हालांकि कहा कि मैच जीतने के लिए पूरे 40 ओवर अच्छा प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने कहा, मैच पहले ओवर में जीता या हारा नहीं जाता है। पूरे 40 ओवर तक अच्छा प्रदर्शन करने से ही जीत मिलती है। गंभीर ने कहा, अगर आप 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। अगर आप 120 की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 120 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। जब आप तेज गेंदबाज के रूप में खेल रहे होते हैं,।

वैभव सूर्यवंशी अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं, उनमें मेरे जैसी सोच दिखती है, एक कार्यक्रम में बोले सहवाग

नई दिल्ली। पूर्व विफ़ोटक सलामी बल्लेबाज विरेंद्र सहवाग को वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी में अपनी झलक दिखती है और उन्होंने इस युवा सनसनी को भारत के लिए लंबा करियर बनाने पर ध्यान देने की सलाह दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,253 रन बनाने वाले सहवाग ने शनिवार को नई दिल्ही में पीपचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के वार्षिक सत्र के दौरान चर्चा में सूर्यवंशी की तारीफ की। सूर्यवंशी ने अब तक आठ टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 246 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 186 का रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। अपने जमाने में सबसे आक्रामक बल्लेबाजी में शुमार रहे 47 वर्षीय सहवाग ने कहा, ऋसूर्यवंशी इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं और उनकी सोच कुछ हद तक मेरी जैसी है। वह पहली गेंद से ही बड़े शॉट खेलने के ज़राद से उतरते हैं। अब यह देखना अहम होगा कि उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका कब मिलता है और वह कितने मैच खेलते हैं। सहवाग ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी शीर्ष स्तर के क्रिकेटर में खेलने के लिए पर्याप्त प्रतिभाशाली है, तो उसकी उम्र को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयु वर्ग के टूर्नामेंट में उम्र के नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन आईपीएल या भारतीय टीम में खेलने के दौरान प्रदर्शन ही सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, आप अगर किसी आयु वर्ग की प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो नियमों के मुताबिक आपकी उम्र होनी चाहिए। अंडर–19 में खेल रहे हैं, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए। लेकिन जब आप आईपीएल या भारत के लिए खेलते हैं, तो उम्र मायने नहीं रखती। 38 या 40 साल के विराट कोहली खेल रहे हैं और 15 साल के वैभव सूर्यवंशी भी। ऐसे में प्रदर्शन सबसे अहम है। एकदिवसीय विश्व कप 2011 के विजेता सहवाग ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की।